दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7 | 3 चिकित्सा क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि | 5 यूपी में 5 कालोनियों पर चला बुलडोजर, छत-दीवारें टूटीं | 8 अश्विन का सन्यास

UPHIN51019 | वर्षः 02, अंकः 26 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 23 दिसम्बर, 2024

भर्ती में फर्जीवाड़ा

बोर्ड की निगरानी में 2018 भर्ती के 280 पैनल की होगी गहन जांच-पड़ताल

रेलवे भर्ती बोर्ड कार्यालय पहुंचे एनईआर के 12 विजिलेंस इंस्पेक्टर

रेलवे बोर्ड विजिलेंस के निर्देश पर एसडीजीएम ने गठित की इंस्पेक्टरों की टीम

रेलवे भर्ती बोर्ड कार्यालय गोरखपुर में भर्ती घोटाले की जांच में तेजी आई है। रेलवे बोर्ड की विजिलेंस टीम ने एनईआर के 12 विजिलेंस इंस्पेक्टरों को जांच के लिए तैनात किया है। टीम ने देर रात तक फाइलों की जांच की और कई अनियमितताएं पाई हैं। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। इनकी जांच एक हफ्ते तक चलेगी।

संवाददाता, गोरखपुर। रेलवे भर्ती बोर्ड कार्यालय गोरखपुर के फर्जीवाड़ा मामले में देर से ही सही पूर्वोत्तर रेलवे (एनईआर) की विजिलेंस टीम भी सक्रिय हो गई है। रेलवे बोर्ड विजिलेंस टीम की मंगलवार की रात दिल्ली वापसी के बाद एनईआर के कार्मिक और लेखा सहित सभी विभागों के 12 विजिलेंस इंस्पेक्टर बुधवार को रेलवे भर्ती बोर्ड कार्यालय पहुंच गए। इंस्पेक्टरों की टीम के कार्यालय पहुंचते ही पूरे स्टाफ में हड़कंप मच गया। टीम के सदस्य देर रात तक फाइलों को खंगालते रहे। रेलवे बोर्ड विजिलेंस के निर्देश पर पूर्वोत्तर रेलवे के वरिष्ठ उप महाप्रबंधक व मुख्य सतर्कता अधिकारी (एसडीजीएम) ने उप मुख्य सतर्कता अधिकारी (लेखा) के नेतृत्व में विजिलेंस इंस्पेक्टरों की टीम गठित कर दी है, जो वर्ष 2018 की तकनीशियन भर्ती के लिए जारी किए गए लगभग 280 पैनलों की गहन– जांच पड़ताल करेगी। एक सप्ताह तक फाइलों की जांच कर रेलवे बोर्ड विजिलेंस को अवगत कराएगी। टीम की रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई और संबंधित के खिलाफ एफआइआर की कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। एसडीजीएम ने सभी उप मुख्य सतर्कता अधिकारियों व इंस्पेक्टरों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा–निर्देश और अहम सुझाव भी दे दिया है।

दिल्ली पहुंची रेलवे बोर्ड विजिलेंस टीम भी फाइलों को जांच करने में जुट गई है। टीम अपने साथ तकनीशियन व लोको पायलट भर्ती व जारी पैनल की सभी फाइलें साथ ले गई है। फाइलों के साथ लेनदेन में भी हेराफेरी की आशंका में बैंक अकाउंट और चेकबुक को भी जब्त कर लिया है। साथ ही सभी रेलकर्मियों के मोबाइल फोन के काल डिटेल को खंगालते हुए गहन जांच के लिए अपने सिस्टम में अपलोड कर के ले गई है। आवश्यकता पड़ने पर एनईआर विजिलेंस टीम का सहयोग लेगी या संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों को दिल्ली बुलाएगी। जानकारों का कहना है कि आशंका जताई जा रही है कि तकनीशियन और लोको पायलट की भर्ती प्रक्रिया के फर्जीवाड़ा में रेलवे भर्ती बोर्ड कार्यालय गोरखपुर का पूरा स्टाफ शामिल है। रेलवे बोर्ड दिल्ली की विजिलेंस टीम नवंबर 2022 में भी रेलवे भर्ती बोर्ड कार्यालय गोरखपुर में छापेमारी कर फाइलों की जांच की थी। अनियमितता पाए जाने परे तत्कालीन रेलवे भर्ती बोर्ड अध्यक्ष और कार्यालय के पूरे स्टाफ को पद से हटा दिया था।

इसके बाद भी फर्जीवाड़ा चलता रहा। ऐसे में रेलवे बोर्ड विजिलेंस टीम ने पूरी भर्ती प्रक्रिया की जांच का निर्णय ली है। सवाल है कि वर्ष 2018 की 354 पद पर तकनीशियन और 1234 पद पर लोको पायलट भर्ती प्रक्रिया में इतना विलंब क्यों हुआ। एक–एक कर पांच से सात लोगों का पैनल क्यों जारी किया गया। एक भर्ती में करीब 280 पैनल क्यों जारी किए गए।

सम्पादकीय

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संविधान निर्माता बीआर अंबेडकर पर की गयी टिप्पणी से संसद से लेकर सड़क तक बवाल मचा हुआ है

संसद के लिए काला दिवस

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संविधान निर्माता बीआर अंबेडकर पर की गयी टिप्पणी से संसद से लेकर सड़क तक बवाल मचा हुआ है। इस पर खेद जताना तो दूर, भारतीय जनता पार्टी विपक्ष पर ही आरोप लगा रही है। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को राज्यसभा में शाह ने यह कहकर कांग्रेस और विपक्ष पर अशालीन टिप्पणी की थी कि श्आजकल अंबेडकर का नाम लेना एक फैशन हो गया है। अंबेडकर... अंबेडकर... अंबेडकर... अंबेडकर! इतना नाम अगर भगवान का लेते तो सात जन्मों तक स्वर्ग मिल जाता।श नाराज विपक्ष ने बुधवार को संसद के दोनों सदनों में इस मामले को पुरजोर तरीके से उठाया और शाह से न केवल माफी बल्कि इस्तीफे की भी मांग की थी। पूरे देश में इसे लेकर उनके प्रति नाराजगी देखी गई परन्तु धृष्टता का परिचय देते हुए शाह ने अपनी प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि श्अगले 15 वर्षों तक मल्लिकार्जुन खरगे उसी जगह पर बैठेंगे जहां अभी हैं।श यानी विपक्ष में रहेंगे। खरगे का उन्होंने इसलिये उल्लेख किया क्योंकि उन्होंने शाह से माफी की मांग की थी।

भाजपा की हठधर्मिता एवं अहंकार का मिला–जुला रूप गुरुवार को देखने को मिला जब विपक्षी सदस्य नीले कपड़े पहनकर और हाथों में बाबा साहेब अंबेडकर की तस्वीरें लिये हुए मकर द्वार से संसद के भीतर जा रहे थे। अनेक भाजपा सदस्यों ने उनका रास्ता रोक लिया। इस धक्का–मुक्की में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे नीचे गिर गये जिन्हें राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, कांग्रेस सासंद वर्षा गायकवाड़ आदि ने सम्हालने की कोशिश की। इसे लेकर खरगे ने लोक सभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पत्र लिखकर कार्रवाई की मांग की है। अभी तीन दिन पहले ही लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने निर्देश दिये थे कि किसी भी सदस्य को कोई भी संसद प्रवेश करने से नहीं रोकेगा। गुरुवार को विपक्षी सांसदों को रोकने की कोशिश जिन सदस्यों ने की, वे भाजपायी थे। गुरुवार का वाकया बतलाता है कि भाजपा के सांसद उनके कितने कहने में हैं।

भाजपा का आरोप है कि कांग्रेसियों द्वारा की गयी धक्का–मुक्की से भाजपा के दो सांसद घायल हो गये हैं। इनमें से एक प्रताप सारंगी ने आरोप लगाया है कि राहुल गांधी ने एक सांसद को धक्का दिया जो उन पर आकर गिरा। इसके कारण उनके सर पर चोट आई है। ऐसे ही, मुकेश राजपूत भी घायल हुए हैं। बताया गया है कि उन्हें आईसीयू में भर्ती कराया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जख्मी सांसदों का हाल–चाल जाना। वैसे राहुल ने कहा कि खरगे को धक्का दिया जा रहा था। उन्होंने बताया कि भाजपा के सांसद उन्हें भी धमका रहे थे और प्रियंका को भी रोकने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने पार्टी अध्यक्ष को बचाया। अब भाजपायी सांसद राहुल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग कर दबाव डालना चाहते हैं। उनके विरूद्ध भी भाजपा विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही है।

इस मामले को लेकर सदन के भीतर भी जमकर विवाद हुआ। जहां एक ओर विपक्ष शाह के माफी व इस्तीफे की मांग पर अड़ा रहा वहीं भाजपा प्रतिपक्ष पर ही झूठ का सहारा लेने का आरोप लगाती रही। इसके कारण जमकर हुए हंगामे के बाद सदनों की कार्यवाही चलनी मुश्किल हो गयी। दोनों सदनों को शुक्रवार तक के लिये स्थगित कर दिया गया। इस सारे मामले को सम्भवतरू मोदी, ओम बिड़ला एवं राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ बढ़ते हुए देखना चाहते हैं। इसलिये उन तीनों की ओर से कोई गम्भीर पहल नहीं की गयी कि उभय पक्षों को बिठाकर सुलह करायी जाये। बाद में अवश्य बिड़ला ने कहा कि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने सभी सदस्यों से परम्पराओं के पालन एवं संयम बरतने की अपील की।

वहीं मोदी ने तो एक्स पर पोस्ट किया कि कांग्रेस मुद्दे को तोड़–मरोड़कर पेश कर रही है। उन्होंने शाह का वीडियो यह कहकर पोस्ट किया कि इसे अवश्य देखा जाना चाहिये। इस तरह वे आग में घी डालने का काम कर रहे हैं। भाजपा का यह रुख इसलिये दोहरा कहा जा सकता है कि एक्स ने खुलासा किया है कि सरकार की ओर से कहा गया था कि राज्यसभा में शाह के बयान वाले वीडियो को हटा दिया जाये। एक्स ने साफ किया कि वह अभिव्यक्ति की आजादी की पक्षधर है इसलिये वह ऐसा नहीं करेगा। शाह के वीडियो को हटाने के लिये कहना यही बतलाता है कि भाजपा अब इस मामले में खुद को घिरा हुआ मान रही है। अपनी गलती स्वीकार कर क्षमा मांगने की बजाये वह और भी अधिक धृष्टता पर उतर आई है।

इस मामले को लेकर भाजपा पर चौतरफा हमले हो रहे हैं। बाबा साहेब अंबेडकर के नाती प्रकाश अंबेडकर ने कहा कि श्इस बयान से भाजपा की पुरानी मानसिकता सामने आ गयी है। समाजवादी पार्टी की सांसद जया बच्चन ने भी चेतावनी दी है कि अंबेडकर का अपमान किसी भी सूरत में सहन नहीं किया जायेगा। देश भर में कई संगठनों एवं नेताओं ने शाह के प्रति रोष जाहिर किया है। कांग्रेस ने इसे श्लोकतंत्र की हत्याश कहा है तो वहीं भाजपा अपने किये पर यह कहकर पर्दा डालने की कोशिश कर रही है कि यह राहुल की अराजकता है। जो भी हो, इस घटना ने भाजपा का फासीवादी चेहरा साफ उजागर कर दिया है। विपक्षी सांसदों को रोकना भाजपा सदस्यों का काम नहीं है और न उन्हें रोका जा सकता है। यह विपक्ष की आवाज को दबाने की उसकी चिर–परिचित शैली है जो देश कई बार देख चुका है। लेकिन गुरुवार को संसद में हुई धक्का

कांग्रेस के लिए उपदेश की कमी नहीं है

कांग्रेस नेतृत्व पर इस सवाल को उठाने के साथ इंडिया गठबंधन के कामकाज को व्यवस्थित करने और नेता चुनने का दबाव अभी ज्यादा लग रहा है

कांग्रेस नेतृत्व पर इस सवाल को उठाने के साथ इंडिया गठबंधन के कामकाज को व्यवस्थित करने और नेता चुनने का दबाव अभी ज्यादा लग रहा है और वह भी स्वाभाविक है। क्योंकि चुनावों के चक्कर में वह इस विपक्षी गठबंधन के कामकाज को व्यवस्थित करना भूल गई थी। एक तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे श्इंडियाय के संयोजक हैं और उन्होंने लंबे समय से कोई बैठक नहीं बुलाई है। अगर उमर अब्दुल्ला के बयान का मतलब नेशनल कांफ्रेंस का आधिकारिक बयान है तो अभिषेक बनर्जी के बयान को भी तृणमूल कांग्रेस का आधिकारिक बयान मानना चाहिए। और हम आप मानें न मानें लेकिन जब इवीएम के दुरुपयोग के सवाल पर उम्र अब्दुल्ला के बाद अभिषेक बनर्जी भी मिलता जुलता बयान दे रहे हैं तो कम से कम कांग्रेस को तत्काल इसका नोटिस लेना चाहिए। यह सवाल कॉंग्रेस या राष्ट्रवादी कांग्रेस और समाजवादी पार्टी द्वारा हरियाणा और फिर महाराष्ट्र के नतीजों के बाद वोटिंग मशीन के दुरुपयोग पर उठाए जाने वाले हंगामे के बाद ही विपक्षी श्इंडियाय गठबंधन के नेतृत्व के सवाल पर एक दौर में सभी गैर कांग्रेसी साझीदारों द्वारा ममता बनर्जी को नेता बनाने की मांग के साथ सामने आया है। इसमें कांग्रेस या सपा–राजद जैसे विपक्षी दलों द्वारा चुनाव हारने के बाद (और उसी मशीन से चुनाव जीतने के बाद चुप्पी साध लेने) वोटिंग मशीन पर सवाल उठाने का सवाल भी है लेकिन कहीं न कहीं कांग्रेस पर दबाव बनाने की मंशा भी शामिल है। जब से मौजूदा सरकार ने चुनाव आयुक्तों के चुनाव के पैनल से सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को हटाकर केन्द्रीय गृहमंत्री को सदस्य और चयन समिति में सरकार के साफ बहुमत की व्यवस्था की है तब से कांग्रेस ही नहीं लगभग पूरा विपक्ष आयोग के फैसलों और चुनाव के नतीजों को लेकर शंका जाहिर करता रहा है लेकिन उसने कभी भी इसे आर–पार की लड़ाई का सवाल नहीं बनाया है। इसलिए उसकी मांगों का वजन हल्का होता गया है।

कांग्रेस नेतृत्व पर इस सवाल को उठाने के साथ इंडिया गठबंधन के कामकाज को व्यवस्थित करने और नेता चुनने का दबाव अभी ज्यादा लग रहा है और वह भी स्वाभाविक है। क्योंकि चुनावों के चक्कर में वह इस विपक्षी गठबंधन के कामकाज को व्यवस्थित करना भूल गई थी। एक तो कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे श्इंडियाय के संयोजक हैं और उन्होंने लंबे समय से कोई बैठक नहीं बुलाई है। दूसरे इस बीच विपक्षी गठबंधन के बीच खटर–पटर की खबरें भी आती रही हैं। और अब तो यह पक्का लग रहा है कि दिल्ली विधान सभा चुनाव में आप और कांग्रेस अलग–अलग ही लड़ेंगे। कहां तो अब तक एक साझा नीति वक्तव्य और कार्यक्रम तय हो जाना चाहिए था और कहां अभी हर चीज बिखरी ही दिखती है। बल्कि जो चीजें लोक सभा चुनाव के नतीजों के बाद व्यवस्थित लग रही थीं उनमें भी गड़बड़ नजर आने लगी है। कांग्रेस और सपा के, कांग्रेस और राजद के, कांग्रेस और नेशनल क्रफ्रेंस के तथा कांग्रेस और द्रमुक के रिश्तों में निश्चित रूप से गिरावट आई है। आप की चर्चा पहले की ही जा चुकी है और अब बगावती ममता बनर्जी के तेवर और कठोर हुए हैं।

इन सबका रिश्ता हरियाणा और महाराष्ट्र ही नहीं जम्मू–कश्मीर विधान सभा चुनाव में कांग्रेस के खराब प्रदर्शन से है। और आगे दिल्ली या बिहार विधान सभा चुनाव में भी उसके कोई बहुत अच्छा करने की उम्मीद नहीं है। कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन से भी ज्यादा खराब प्रदर्शन इंडिया गठबंधन के नेतृत्व के मामले में हुआ है। कांग्रेस और खास तौर पर राहुल गांधी ने सवालों पर ज्यादा उदारता दिखाई है लेकिन व्यवस्थित फैसले कराने में उनकी भी रुचि नहीं लगती। जिस गठबंधन को नीतीश कुमार ने सबकी इच्छा के अनुसार चुटकी बजाते खड़ा कर दिया था वह खुद नीतीश को साथ न रख पाया। और आज यह हालत है कि खुद कांग्रेस गरीब की जोरू वाली स्थिति में है जिसे हर कोई उपदेश पिला रहा है। कभी कोई शिव सैनिक कांग्रेस से खानदानी दुश्मनी की याद दिलाता है तो कभी अबू आजमी भी चार फटकार लगा देते हैं। ममता तो बहुत बड़ी हैं पर इंडिया गठबंधन के नए नेता लोग भी कांग्रेस को सीख देने में पीछे नहीं रहते। कांग्रेस के सबसे भरोसेमंद साथी लालू यादव भी ममता को नेता बनाने की वकालत कर चुके हैं। बल्कि इस सवाल पर अकेले तेजस्वी यादव ने संतुलित बयान दिया कि ममता को नेता मानने में उज्र नहीं है लेकिन फैसला तो सबकी सहमति से ही होगा।

कांग्रेस पर भाजपा की तरफ से लगातार हमले जारी हैं तो इसलिए नहीं कि लोक सभा के अच्छे प्रदर्शन के बाद कांग्रेस कुछ कमजोर पड़ी है और जीत से भाजपा की हताशा खत्म हुई है। भाजपा की रणनीति इंडिया गठबंधन के साझीदारों की तरह कांग्रेस पर ज्यादा दबाव बनाकर कुछ सौदेबाजी कर लेने की भी नहीं है। उसे कांग्रेस और राहुल के रूप में ही अपना सबसे बड़ा दुश्मन नजर आता है। क्षेत्रीय पार्टियां भले उसे चुनाव में ज्यादा गंभीर चुनौती दें लेकिन पूरी राजनीति में आज उसे सिर्फ कांग्रेस और राहुल गांधी या गांधी नेहरू परिवार से ही चुनौती मिलती है इसलिए वह तो अपना हमला तेज करेगी ही। और मात्र संयोग नहीं है कि मीडिया और अनेक संस्थाओं से उसे समर्थन मिलता है जबकि कांग्रेस इन सबको भी दुश्मन बनाए हुई है। कांग्रेस भी किन मुद्दों को सामने करके भाजपा को बैकफुट पर धकेले यह उसकी आंतरिक चर्चा और बाहर की चर्चा का विषय हो सकता है। लेकिन हर तरफ से कांग्रेस और खास तौर से राहुल को उपदेश पिलाया जा रहा है।

इस सब में हर्ज नहीं है लेकिन कुछ बड़े सवाल हैं कि राहुल और कांग्रेस कुछ सीखते क्यों नहीं। वे पार्टी संगठन और इंडिया गठबंधन के सांगठनिक स्वरूप पर ध्यान क्यों नहीं देते। उनके बोलने का विषय कौन तय करता है, उनके राजनैतिक कार्यक्रम कौन बनाता है। वे क्यों बार–बार संघ परिवार द्वारा बिछाए सावरकर वाले जाल में फंसते हैं जबकि यह सब सेटल मैटर है। वे क्यों चुनावी पराजय के बाद भी जाति का राग आलाप रहे हैं जबकि दलित–पिछड़ा–महिला विरोधी होकर भी भाजपा और संघ इन समूहों में अपनी पकड़ मजबूत करते जा रहे हैं। आर्थिक नीतियों के सवाल को राहुल क्यों अदानी तक सीमित कर रहे हैं। क्या यह सिलसिला मनमोहन राज में शुरू नहीं हुआ था और पिछड़ों के मामले में कांग्रेस का रिकार्ड क्या है। सिर्फ रिकार्ड ही रोक सके ऐसा भी नहीं है लेकिन सिर्फ जुबानी जमाखर्च से पिछड़ा दलित आदिवासी आपके पीछे गोलबंद हों जाए यह भी संभव नहीं है। और सबसे बढ़कर यह है कि राहुल छोटी–छोटी सफलताओं से इतना इतराते क्यों हैं (हालांकि बड़ी से बड़ी पराजय की परवाह न करके आगे बढ़ना उनका गुण है)। संसद में एक अच्छा भाषण देकर अपने दोस्तों को आंख मारना या अमेरिका यात्रा में भारत में एजेंडा सेटिंग का दावा करना ऐसे ही मामले हैं। जाहिर है उनके करीब जमा बैठा दल उनसे काफी कुछ ऐसा करा रहा है जो उनको नहीं करना चाहिए। ऐसे में उनको भाजपाध्संघ परिवार के साथ लड़ने, इंडिया गठबंधन के दबावों को साधने और पार्टी संगठन में अपने आसपास घेरेबंदी करने वाले जमात से एक साथ लड़ाई लड़नी होगी।

सोने के बेलगाम आयात ने किया रुपये का बंटाधार

बजट 2024–25 में सोने के पक्ष में नीतिगत उपायों के लिए भारत सरकार द्वारा आगे लाये गये तर्कों में से एक था भारतीय रुपये की कमजोरियों को दूर करना

– डा. ज्ञान पाठक

सोने पर आयात शुल्क कम करते समय सरकार की ओर से कहा गया था कि इससे सोने की कीमतें कम होंगी और आम लोगों के लिए सोना अधिक किफायती हो जायेगा, जिससे घरेलू मांग और निर्यात को बढ़ावा मिल सकता है। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ, बावजूद इसके कि सोने की कीमतों में शुरुआती 9 फीसदी की गिरावट के साथ 74,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से 68,000 रुपये पर आ गयी। बजट 2024–25 में सोने के पक्ष में नीतिगत उपायों के लिए भारत सरकार द्वारा आगे लाये गये तर्कों में से एक था भारतीय रुपये की कमजोरियों को दूर करना, लेकिन 18 दिसम्बर को यह ऐतिहासिक निचले स्तर 85.17 रुपये प्रति डॉलर तक गिर गया। उसके एक दिन पहले सुबह के कारोबार में यह 84.93 रुपये प्रति डॉलर के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गया था। दूसरा तर्क यह दिया गया था कि सोना और अधिक किफायती हो जायेगा, लेकिन इसकी दर 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गयी। इसके अलावा, सोने का आयात चार गुना से अधिक बढ़ गया, जिससे नवंबर में व्यापार घाटा रिकॉर्ड उच्च स्तर 37. 9अरब डॉलर पर पहुंच गया।

नवीनतम आंकड़ों से पता चलता है कि नवंबर 2024 में 14.9अरब डॉलर का सोना आयात किया गया, जबकि एक साल पहले नवंबर 2023 में यह 3.5 अरब डॉलर था, जिससे यह भारत के आयात बास्केट में पेट्रोलियम के बाद 21 प्रतिशत की हिस्सेदारी के साथ दूसरा सबसे बड़ा आयातित पदार्थ हो गया। गैर–तेल निर्यात से होने वाला लाभ सोने के आयात खर्च में ही सफा–चट (खत्म) हो गया। सोने पर बेतहाशा बहुमूल्य विदेशी मुद्रा खर्च की जा रही है। नवंबर में भारत का आयात लगभग 70अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च मूल्य पर पहुंच गया। रिकॉर्ड व्यापारिक व्यापार घाटा पिछले महीने अक्टूबर में 27.14 अरब डॉलर से बढ़कर 37.84अरब डॉलर और नवंबर 2023 में 21. 31अरब डॉलर हो गया। केंद्रीय वाणिज्य मंत्रालय के अधिकारियों ने सोने के आयात में उछाल का कारण वैश्विक कीमतों में भारी वृद्धि और इसकी सुरक्षित पनाहगाह की स्थिति को बताया है, ऐसे समय में जब स्टॉक मार्केट अस्थिर बना हुआ है।

सोने पर कम सीमा शुल्क ने सोने के आयात में जबरदस्त योगदान दिया। केंद्रीय बजट 2024–25 में सोने पर आयात शुल्क 1 जुलाई 2022 से 15 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया गया था। यह जून 2013 के बाद से सबसे कम है, जब यह 8 प्रतिशत था। 13 अगस्त 2013 को इसे बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया गयाय 6 जुलाई 2019 को 12.88 प्रतिशतय 2 फरवरी 2021 को घटाकर 10.75 प्रतिशतय और 1 जुलाई 2022 को इसे बढ़ाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया।

आइए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में पिछले एक दशक के दौरान डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत पर एक नजर डालते हैं। 2013 में यह 54.78 रुपये प्रति डॉलर था, लेकिन 2019 में गिरकर 72.15 रुपये, 2021 में 75.45 रुपये, 2022 में 81.62 रुपये और 17 दिसंबर 2024 को सुबह के कारोबार में 84.93 रुपये पर आ गया, तथा 18 दिसम्बर को 85.17 रुपये के ऐतिहासिक स्तर तक नीचे गिर गया। सोने पर आयात शुल्क कम करते समय सरकार की ओर से कहा गया था कि इससे सोने की कीमतें कम होंगी और आम लोगों के लिए सोना अधिक किफायती हो जायेगा, जिससे घरेलू मांग और निर्यात को बढ़ावा मिल सकता है। हालांकि, ऐसा नहीं हुआ, बावजूद इसके कि सोने की कीमतों में शुरुआती 9 फीसदी की गिरावट के साथ 74,000 रुपये प्रति 10 ग्राम से 68,000 रुपये पर आ गयी। कुछ ही हफ्तों में सोने की कीमतें फिर से बढ़ने लगीं और आज यह 77,600 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बिक रहा है। भारत में 2010 में सोने की कीमत 18,000 रुपये प्रति 10 ग्राम थी, जो 2018 में बढ़कर 31,391 रुपये, 2019 में 39,108 रुपये, 2020 में 50,151 रुपये, 2022 में 52,670 रुपये और 2023 में 63,820 रुपये हो गयी।

केंद्रीय बजट 2024–25 में सोने पर कुल सीमा शुल्क 15प्रश से घटाकर 6प्रश कर दिया गया था और सोने के डोरे पर 14.35प्रश से घटाकर 5.35प्रश। यह रिकॉर्ड पर सबसे बड़ी कटौती थी। आयात शुल्क में कटौती के अलावा, सरकार ने सोने पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ के लिए होल्डिंग अवधि को भी 36 महीने से घटाकर 24 महीने कर दिया है। दीर्घ अवधि के लाभ की दर भी इंडेक्सेशन के साथ 20 प्रतिशत से घटाकर 12.5 प्रतिशत कर दी गयी। गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड म्यूचुअल फंड को बाहर करने के लिए श्निर्दिष्ट म्यूचुअल फंडश की परिभाषा में संशोधन किया गया। 2023–24 के केंद्रीय बजट में, गोल्ड ईटीएफ और गोल्ड म्यूचुअल फंड को निर्दिष्ट म्यूचुअल फंड माना गया और होल्डिंग अवधि की परवाह किए बिना लागू स्लैब–दर पर अल्पकालिक पूंजीगत लाभ के रूप में लाभ पर कर लगाया गया।

इसके अलावा, सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के लिए दीर्घ अवधि के पूंजीगत लाभ के लिए निर्दिष्ट अवधि को 36 महीने से घटाकर 12 महीने और गैर–सूचीबद्ध प्रतिभूतियों के लिए 24 महीने कर दिया गया। यदि 12 महीने से अधिक समय तक रखा जाता है और सूचीबद्ध है, तो गोल्ड ईटीएफध्म्यूचुअल फंड के लिए कर घटाकर 12.5 प्रतिशत की निचली दर कर दिया गया। गैर–सूचीबद्ध गोल्ड म्यूचुअल फंड को भी 24 महीने से अधिक समय तक रखने पर दीर्घकालिक निवेश माना जाना था और 12.5प्रश की निचली दर पर कर लगाया जाना था। केंद्रीय बजट में कहा गया है कि संशोधन 1 अप्रैल 2026 से लागू किया जायेगा। मौजूदा स्वर्ण नीति विदेशों में सोने की खरीदारी को भी प्रोत्साहित करती है। हालांकि, विदेशों से शुल्क मुक्त सोने की खरीद की सीमाएं हैं। पुरुष यात्री विदेशों से 20 ग्राम शुल्क मुक्त सोना ला सकते हैं। 20 से 50 ग्राम के बीच सोने पर सीमा शुल्क 3 प्रतिशत, 50 से 100 ग्राम पर 6 प्रतिशत और 100 ग्राम से अधिक पर 10 प्रतिशत है।

महिला यात्रियों के लिए शुल्क मुक्त सोने की सीमा 40 ग्राम है। 40 से 100 ग्राम के बीच की मात्रा पर 3 प्रतिशत सीमा शुल्क, 100 से 200 ग्राम के बीच 6 प्रतिशत और 200 ग्राम से अधिक पर 10 प्रतिशत सीमा शुल्क लगाया जाता है। 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए नियम महिलाओं के समान ही हैं। यात्रियों के लिए 20 ग्राम से कम सोने की छड़ों पर कोई सीमा शुल्क लागू नहीं होता है। 20 से 100 ग्राम के बीच सोने की छड़ों के लिए सीमा शुल्क 3 प्रतिशत है, 1 किलोग्राम सोने की छड़ के लिए यह 10 प्रतिशत है। 100 ग्राम सोने के सिक्के पर सीमा शुल्क 10 प्रतिशत है, और 20 से 100 ग्राम सोने के सिक्कों के लिए यह 10 प्रतिशत है। 10 ग्राम से कम सोने के सिक्के पर कोई शुल्क लागू नहीं है। भारत में सोने की खरीद पर 3 प्रतिशत जीएसटी, आयात शुल्क और सीमा शुल्क लागू होते हैं, जिससे खरीद महंगी हो जाती है, जिससे उपभोक्ता व्यवहार और निवेश निर्णय प्रभावित होते हैं। इसलिए अमीर लोग बहुत बड़ी मात्रा में सोना आयात कर रहे हैं, जिससे रुपया कमजोर हो रहा है और व्यापार घाटा बढ़ रहा है। ऐसा लगता है कि उन्हें भारत के आम लोगों की कोई चिंता नहीं है। सोने का ऐसा बेलगाम आयात अर्थव्यवस्था के लिए खतरनाक है।

चिकित्सा क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि

गोरखनाथ मेडिकल कालेज में माउथ कैंसर का सफल आपरेशन, अब मिलेगी बड़ी राहत

गोरखपुर। माउथ कैंसर की जटिल सर्जरी करने वाली टीम का नेतृत्व करने वाले कैंसर सर्जन डॉ. विनायक अग्रवाल ने बताया कि खलीलाबाद के रहने वाले राममिलन का माउथ कैंसर काफी गंभीर स्थिति में पहुंच गया था। उनके जबड़े में ट्यूमर भी बन गया था। कैंसर का असर गर्दन तक पहुंचने लगा था।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में संचालित गुरु गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर (गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज) ने कॉलेज संचालन के शुरुआती दौर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इस मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों की आंतरिक टीम ने किसी वाह्य विशेषज्ञ के बगैर, माउथ कैंसर से पीड़ित एक मरीज की जटिल सर्जरी सफलतापूर्वक करके उसे नवजीवन दिया है।

गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज की इस उपलब्धि का सबसे बड़ा लाभ पूर्वी उत्तर प्रदेश के साथ ही बिहार और नेपाल तक के मरीजों को मिलेगा, अब उन्हें कैंसर की जटिल सर्जरी के लिए बड़े महानगरों की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। माउथ कैंसर की जटिल सर्जरी करने वाली टीम का नेतृत्व करने वाले कैंसर सर्जन डॉ. विनायक अग्रवाल ने बताया कि खलीलाबाद के रहने वाले राममिलन का माउथ कैंसर काफी गंभीर स्थिति में पहुंच गया था। उनके जबड़े में ट्यूमर भी बन गया था। कैंसर का असर गर्दन तक पहुंचने लगा था।

गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अरविंद सिंह कुशवाहा के निर्देश पर राममिलन को गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज में भर्ती किया गया। जरूरी प्रारंभिक जांचों के बाद मरीज के जबड़े की हेमीमैंडीब्युलेक्टोमी की गई। साथ ही रेडिकल नेक डिससेक्शन, पेक्टोरेलिस मेजर मायोक्यूटनेस फ्लैप, ट्रेकेस्टोमी प्रक्रिया के साथ करीब तीन घंटे तक चली सर्जरी में मरीज का विकार दूर कर दिया गया।

डॉ. विनायक अग्रवाल ने बताया कि मरीज माउथ कैंसर के एडवांस स्टेज में था। सर्जरी के बाद मरीज को एक तरह से नया जीवन मिल गया है। सर्जरी करने वाली टीम में एनेस्थीसिया की विशेषज्ञ डॉ. नेहा पंवार और ईएनटी सर्जन डॉ. आकांक्षा रावत की महत्वपूर्ण भूमिका रही। जबकि ऑपरेशन थिएटर के इंचार्ज दीपक पाठक, शुभ पांडेय, माधुरी साहनी और अरविंद चौरसिया ने पूरी मुस्तैदी से डॉक्टरों की टीम को मदद पहुंचाई।

प्रधानाचार्य निलम्बित

जिले के एक सरकारी स्कूल में प्रभारी प्रधानाचार्य खुद बैठकर मजदूरों की जगह बच्चों से बालू छनवाना और अन्य कार्य करवाने का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने लगा। वायरल वीडियो को संज्ञान में ले बीएसए ने इसकी जांच कराई। जांच में वायरल वीडियो की घटना संविलियन विद्यालय कुशमौनी का निकला। इसके बाद बीएसए ने प्रभारी प्रधानाचार्य वशिष्ठ नारायण चौहान को निलंबित कर दिया। यही नहीं, निलंबन की अवधि में उनकों ब्लाक संसाधन केंद्र देवरिया सदर पर संबद्ध कर दिया। इस प्रकरण की जांच के लिए बीएसए ने खंड शिक्षा अधिकारी पथरदेवा को जांच अधिकारी नामित करते हुए 15 दिन के अंदर जांच आख्या देने का निर्देश दिया है।

देवरिया सदर प्रखंड के संविलियन विद्यालय कुशमौनी के संबंध में सोशल मीडिया में प्रसारित वीडियो के मामले में देवरिया सदर खंड शिक्षा अधिकारी ने 16 दिसंबर को प्रभारी प्रधानाचार्य वशिष्ठ नारायण चौहान को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। अगले दिन 17 दिसंबर को 09.50 बजे उक्त विद्यालय का स्थलीय निरीक्षण किया। वायरल वीडियो के संबंध में बैठक की। इसमें ग्राम प्रधान, एसएमसी अध्यक्ष एवं अभिभावकों को भी शामिल किया। बैठक में ग्राम प्रधान ने बताया गया कि इस वायरल वीडियो से मेरे गांव व विद्यालय की छवि धूमिल हुई है।

निरीक्षण के दौरान वायरल वीडियो के संबंध में उपस्थित छात्रों से पूछताछ की गई तो उन्होंने ऐसे वीडियो या ऐसी किसी जानकारी से इंकार कर दिया। स्कूल के अध्यापकों से पूछने पर उन्होंने बताया कि वीडियो की जानकारी नहीं है और वीडियो में दिखने वाले बच्चे भी स्कूल नहीं आए हैं।

इसपर उन बच्चों को घर से बुलवाकर वीडियो के संबंध में जानकारी ली गई। एक छात्र समीर पुत्र सलीम अंसारी निवासी बरवाडीह कक्षा–8 का छात्र और दूसरा शाहरूख पुत्र सलीम अंसारी वो भी कक्षा–8 का ही छात्र निकला। पूछने पर बच्चों ने बताया कि उक्त अध्यापक(वीडियो में दिखने वाले) के कहने पर वे बालू छानने का काम कर रहे थे।

इसी दौरान किसी ने चोरी से वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जांच टीम ने इस कृत्य को बेसिक शिक्षा विभाग की छवि धूमिल करने वाला बताते हुए अपनी रिपोर्ट सौंप दी। इसका संज्ञान लेकर बीएसए शालिनी श्रीवास्तव ने वशिष्ठ नारायण चौहान को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। साथ ही आदेश दिया कि निलंबन अवधि में ब्लाक संसाधन केंद्र देवरिया सदर पर संबंध भी कर दिया। इसके अलावा जांच के लिए पथरदेवा खंड शिक्षा अधिकारी गोपाल मिश्र को जांच अधिकारी नामित कर दिया और 15 दिन के अंदर जांच आख्या कार्यालय को उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है।

रेल भर्ती घोटाला

65 अभ्यर्थियों का रिकार्ड खंगाल रही विजिलेंस, बिना परीक्षा ही पैनल में जुड़ गया था नाम

गोरखपुर। विजिलेंस की टीम सुबह 11 बजे रेलवे भर्ती बोर्ड के कार्यालय पहुंच गई। पैनल और पूरी प्रक्रिया में शामिल करीब 65 अभ्यर्थियों की फाइलें निकलवाई गईं। प्रारंभ से लेकर चयन तक की सारी प्रक्रिया की जांच–पड़ताल टीम ने की। इसके बाद टीम महाप्रबंधक कार्यालय स्थित विजिलेंस के कार्यालय आई और यहां अफसरों से मुलाकात कर भर्ती प्रक्रिया की अब तक की जांच रिपोर्ट ली।

मॉडर्न रेल कोच फैक्टरी, रायबरेली में बिना परीक्षा के दो अभ्यर्थियों की फर्जी नियुक्ति की जांच करने आई सेंट्रल विजिलेंस की टीम ने दूसरे दिन मंगलवार को भी रेलवे भर्ती बोर्ड के कार्यालय में दस्तावेजों को खंगाला। टीम अब फिटर पद के लिए आए सभी आवेदनों और पैनल में चयनित अभ्यर्थियों के रिकॉर्ड की जांच कर रही है।

फर्जी तरीके से पैनल में शामिल कराने वाले आरआरबी चेयरमैन के निजी सचिव और सेवानिवृत्त हो चुके वरिष्ठ कार्यालय सहायक व उनके बेटों के खिलाफ केस दर्ज कराने की तैयारी चल रही है। वहीं, पूर्व में निजी सचिव रहे राम सजीवन मौर्या के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की संस्तुति कर दी गई है।

विजिलेंस की टीम सुबह 11 बजे रेलवे भर्ती बोर्ड के कार्यालय पहुंच गई। पैनल और पूरी प्रक्रिया में शामिल करीब 65 अभ्यर्थियों की फाइलें निकलवाई गईं। प्रारंभ से लेकर चयन तक की सारी प्रक्रिया की जांच–पड़ताल टीम ने की। इसके बाद टीम महाप्रबंधक कार्यालय स्थित विजिलेंस के कार्यालय आई और यहां अफसरों से मुलाकात कर भर्ती प्रक्रिया की अब तक की जांच रिपोर्ट ली।

आईएमए चुनाव– 11 पदों के लिए 30 से अधिक डाक्टरों ने भरा पर्चा

गोरखपुर। पहली बार इतने अधिक पदों पर मतदान होने की संभावना नजर आ रही है। इसको लेकर चुनाव अधिकारी भी सतर्क हो गए हैं। इस बार चुनाव नए बाइलाज के मुताबिक होगा। जिसमें प्रत्याशियों के लिए आमसभा की बैठक में 50 फीसदी हाजिरी की शर्त है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के चुनाव में नामांकन के लिए मंगलवार अंतिम दिन था। नामांकन के अंतिम दिन डॉ. अमित मिश्रा, डॉ. फहीम, डॉ. अमरेश सिंह, डॉ. रत्नेश तिवारी, डॉ. अभिनीत, डॉ. इमरान, डॉ. शांतनु सहित 20 से अधिक चिकित्सकों ने विभिन्न पदों पर दावेदारी पेश करते हुए नामांकन दाखिल किया। अंतिम दिन तक हुए पर्चा दाखिला के अनुसार प्रेसीडेंट, प्रेसीडेंट इलेक्ट, वाइस प्रेसिडेंट, सेक्रेटरी, ज्वाइंट सेक्रेटरी, स्पोर्ट्स सेक्रेटरी और मीडिया प्रभारी पद पर मतदान की संभावना दिख रही है। वाइस प्रेसीडेंट के दो पद पर तीन चिकित्सकों ने दावेदारी पेश की है। चिकित्सकों की लॉबी कुछ पदों पर आम सहमति बनाना चाहती है।

नामांकन में कोषाध्यक्ष पद पर डॉ. गगन गुप्ता, कल्चरल सेक्रेटरी पर डॉ. अल्पना अग्रवाल और साइंटिफिक सेक्रेटरी पद पर डॉ. पीसी शाही ने ही पर्चा भरा है। इन तीनों पदों पर निर्विरोध निर्वाचन तय है। इसके अलावा करीब 20 चिकित्सकों ने कार्यकारिणी सदस्य के पर्चा दाखिल किया है।

वर्तमान कार्यकारिणी में सचिव की भूमिका निभाने वाले डॉ. अमित मिश्रा ने इस बार प्रेसीडेंट इलेक्ट पद के लिए पर्चा भरा है। चुनाव अधिकारी डॉ. शशांक कुमार ने बताया कि इस बार प्रत्याशियों को नामांकन भरने के लिए तीन जगह तय किए गए थे।

आईएमए कार्यालय, मुख्य चुनाव अधिकारी एवं सहायक चुनाव अधिकारी में से किसी के पास प्रत्याशी जाकर पर्चा जमा कर सकता था। बुधवार को सभी पर्चों को संकलित किया जाएगा। बृहस्पतिवार को नाम वापसी के बाद ही वास्तविक स्थिति सामने आएगी।

प्रत्याशियों की हाजिरी की जांच आज से शुरू

पहली बार इतने अधिक पदों पर मतदान होने की संभावना नजर आ रही है। इसको लेकर चुनाव अधिकारी भी सतर्क हो गए हैं। इस बार चुनाव नए बाइलाज के मुताबिक होगा। जिसमें प्रत्याशियों के लिए आमसभा की बैठक में 50 फीसदी हाजिरी की शर्त है। चुनाव अधिकारियों की टीम प्रत्याशियों के हाजिरी का भी गणना करेगी। इस दौरान प्रत्याशी अपनी आपत्ति भी दाखिल कर सकेंगे। जिसका निस्तारण चुनाव अधिकारियों की टीम करेगी।

कोनी गांव – उजड़ जाने की दहशत...

करवट बदलकर रात बीता रहे ग्रामीण, बनेगा पुलिस प्रशिक्षण केंद्र

गोरखपुर। कोनीवासियों के अनुसार, पुलिस प्रशिक्षण केंद्र और पीएससी महिला बटालियन की स्थापना होनी है। इसके लिए निर्माण शुरू हो गया है। गांव के करीब 60 लोगों को पहले सीलिंग की जमीन बताकर बेदखल किया जा चुका है। निर्माण शुरू होने पर 70 परिवार को भी बेदखल होने का डर सतानें लगा है। कई लोग दूसरी जगहों पर ठिकाना भी खोजने लगे हैं। सरकार ने कोनी गांव में जमीन सीलिंग प्रभावित करार दिया तो वहां रहने वाले लोगों ने हाईकोर्ट में केस दायर कर दिया। अब वहां निर्माण शुरू हो गया, यह सब देख अब जमीन से उजड़ जाने का डर कोनी गांव वालों को सताने लगी है। इस चिंता के कारण उनकी रातें करवटें बदलकर बीत रही हैं। कोनी गांव में रहने वाले किसानों का कहना है कि कोर्ट में केस चलने के बाद भी यहां निर्माण शुरू कर दिया गया है, जबकि फैसला आने तक हर तरह के कार्य पर रोक लगी है। वे काफी परेशान हैं।

कोनीवासियों के अनुसार, पुलिस प्रशिक्षण केंद्र और पीएससी महिला बटालियन की स्थापना होनी है। इसके लिए निर्माण शुरू हो गया है। गांव के करीब 60 लोगों को पहले सीलिंग की जमीन बताकर बेदखल किया जा चुका है। निर्माण शुरू होने पर 70 परिवार को भी बेदखल होने का डर सतानें लगा है। कई लोग दूसरी जगहों पर ठिकाना भी खोजने लगे हैं। दरअसल, पिछले साल जिला प्रशासन की ओर से चौरीचौरा और फिर सदर तहसील की सीलिंग वाली भूमि की सूची प्रकाशित की। इसके बाद कोनी के तमाम परिवारों के सामने संकट खड़ा हो गया है। उनका आरोप है कि इस सूची में पुश्तैनी जमीनों की भी गाटा संख्या दर्ज कर दी गई है। जिन जमीनों की दो–दो बार चकबंदी हो गई है और संबंधित परिवार वहां 60–70 साल से काबिज हैं, प्रशासन उसे भी सीलिंग की जमीन बता रहा है। सूची प्रकाशित होने के बाद से लोग आपत्ति दर्ज कराने और अपना पक्ष रखने के लिए तहसील से लेकर जिले और मंडल के आला अफसरों का चक्कर लगाना शुरू कर दिए।

हाईकोर्ट में मामला लंबित है। इसके बाद भी निर्माण शुरू कर दिया गया है। हम लोग के पास जमीन है लेकिन इसपर लोन या जमानत नहीं ले सकते हैं। कभी भी हमारी जमीन ली जा सकती है, यही डर सता रहा हैः प्रेमचंद चौरसिया, पूर्व प्रधान, कोनी

हमारी जमीन सरकार ने सीलिंग प्रभावित कर दी है। इस प्रकरण में केस हाईकोर्ट में चल रहा है, तब तक हम लोगों को बेदखल न किया जाए। यह बात हाईकोर्ट भी कह भी रहा है। जब तक फैसला न आ जाए हमें काबिज रहने दिया जाएः दिग्विजय सिंह, किसान परिवार की कुल लगभग दो एकड़ जमीन में पुलिस प्रशिक्षण केंद्र बन रहा है। इसका कोई मुआवजा नहीं मिला, न ही कोई आश्वासन दिया गया। सीलिंग के नाम पूरी जमीन ले ली गई है।

अवैध निर्माण पर कार्रवाई

खरैया पोखरा पर था अतिक्रमण– चला बुलडोजर

15 कब्जे थे अवैध, तालाब की जमीन पर था कब्जा

गोरखपुर। बशारतपुर के खरैया पोखरा के सुंदरीकरण में बांधा अवैध निर्माण पर बुधवार को बुलडोजर चला। नगर निगम के प्रवर्तन दल ने पुलिस बल की मौजूदगी में अवैध निर्माण को तोड़ा। पिछले कुछ माह पूर्व नगर निगम और तहसील प्रशासन की संयुक्त पैमाइश में 01.55 एकड़ क्षेत्रफल में जिन 15 लोगों का अवैध कब्जा मिला था । बशारतपुर के खरैया पोखरा के सुंदरीकरण में बांधा बने अवैध निर्माण पर बुधवार को बुलडोजर चला। नगर निगम के प्रवर्तन दल ने पुलिस बल की मौजूदगी में अवैध निर्माण को तोड़ा। कुछ माह पूर्व नगर निगम और तहसील प्रशासन की संयुक्त पैमाइश में 01.55 एकड़ क्षेत्रफल में जिन 15 लोगों का अवैध कब्जा मिला था, नगर निगम ने सभी को नोटिस भी जारी किया था।

6 लोगों ने पक्का निर्माण करा रखा है। जबकि, कुछ ने खाली प्लाट पर चहारदीवारी चलाकर कब्जा किया है।

अवैध कब्जों पर चला बुलडोजर – हालांकि लोगों का कहना है कि उनको कोई नोटिस नहीं मिली। कारवाई के दौरान महिलाएं और बुजुर्ग बुलडोजर के आगे आने लगे जिनको पुलिस ने हटाया। अपने आशियाने टूटते देख वहां पर चीख पुकार मच गई।

पैमाइश के दौरान स्पष्ट हुआ था कि अभिलेखों में तालाब का मूल रकबा 3.41 एकड़ है, जबकि मौके पर करीब डेढ़ एकड़ भूमि पर कब्जा है। सोमवार को प्रवर्तन दल ने बकायदा लाउडस्पीकर के जरिए घोषणा कर अतिक्रमणकारियों को मंगलवार की सुबह तक अतिक्रमण हटा लेने का वक्त दिया था।

मुख्यमंत्री से शिकायत

कुशीनगर की मदनी मस्जिद के निर्माण पर छाया विवाद

उत्तर प्रदेश के संभल और वाराणसी की तरह कुशीनगर में भी बवाल हो गया है। यहां मदनी मस्जिद के निर्माण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मुख्यमंत्री से शिकायत के बाद प्रशासन ने मस्जिद की पैमाइश की। मस्जिद के निर्माण को लेकर हिंदूवादी नेता ने शिकायत की थी कि सरकारी जमीन पर एशिया की सबसे बड़ी मस्जिद बनाई जा रही है।

,संवाददाता, हाटा। मुख्यमंत्री से शिकायत के बाद हाटा की मदनी मस्जिद के निर्माण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कोतवाली हाटा के बिल्कुल करीब निर्माण स्थल की प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में सुबह दस बजे से शाम चार बजे तक राजस्व टीम ने पैमाइश की। इस दौरान किनारे रखे गए कटरैन व बांस बल्लियां हटवा दी गईं। देर शाम पहुंचे डीएम व एसपी ने पैमाइश के दौरान मौजूद रहे अधिकारियों से बंद कमरे में बात कर पूरी जानकारी ली। हिंदूवादी भाजपा नेता रामबचन सिंह ने बीते 17 दिसंबर को मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत की थी कि, हाटा नगर में सरकारी भूमि पर एशिया की सबसे बड़ी मदनी मस्जिद बनाई जा रही है।

इसके बाद रात को ही डीएम विशाल भारद्वाज व एसपी संतोष कुमार मिश्र टीम के साथ मौका देखने पहुंच गए। बुधवार को पैमाइश कराने का निर्णय लिया गया। एडीएम वैभव मिश्र, एडीशनल एसपी रितेश कुमार सिंह व पुलिस टीम की मौजूदगी में नगरपालिका के वार्ड नंबर 21 में जहां मस्जिद का निर्माण हुआ है, उसकी पैमाइश की गई। मस्जिद का चार मंजिला भवन है। इसके दक्षिण सरकारी भूमि है, पूरब कोतवाली हाटा के नाम भूमि है। मस्जिद निर्माण करने वाले पक्ष ने सरकारी भूमि पर डाले गए कटरैन को पैमाइश शुरू होते खुद हटवा दिया। मुस्लिम पक्ष की ओर से अधिवक्ताओं ने अधिकारियों को कागजात दिखाए। बताया कि मस्जिद के नाम से 32 डिसमिल भूमि है। 30 डिसमिल पर ही निर्माण हो रहा है। एसडीएम हाटा प्रभाकर सिंह, सीओ कसया कुंदन सिंह, सीओ तमकुहीराज अमित सक्सेना, कोतवाल हाटा सुशील कुमार शुक्ल, तरयासुजान प्रभारी निरीक्षक राज प्रकाश सिंह, रामकोला प्रभारी निरीक्षक आनंद गुप्ता, सेवरही थाना प्रभारी निरीक्षक अमित शर्मा, कसया थाना प्रभारी निरीक्षक गिरिजेश उपाध्याय, कानूनगो संजीवन मिश्र, लेखपाल हाटा रामेंद्र तिवारी, अधिशासी अधिकारी मीनू सिंह आदि मौजूद रहे।

गाजियाबाद धर्मांतरण मामले में नया खुलासा

'फराज जो कहेगा, वो उसे करना ही होगा'

पांच वक्त की नमाज की भेजती थी सेल्फी, बुर्का भी पहनने लगी थी युवती

गाजियाबाद। कैंसर की बीमारी से जूझ रहे बुजुर्ग पिता का कहना है कि युवती की बेबसी देखकर वह खामोश हो गए। वह कहती थी कि फराज जो कहेगा, उसे वो करना होगा। अगर ऐसा नहीं किया तो वह...। गाजियाबाद के कविनगर क्षेत्र की युवती के आत्महत्या कर लेने के मामले में पुलिस को उसकी डायरी से कुछ और अहम जानकारी मिली है। एक पेज पर लिखा है, मैंने नमाज पढ़ने से मना किया तो फराज अतर ने मुझे बुरी तरह से पीटा। युवती के मोबाइल से पता चला है कि फराज ने उसे कई ऐसे व्हाट्सएप ग्रुप में जुड़वा दिया था, जिसमें इस्लामिक रीति–रिवाज सिखाए जाते थे। इतना ही नहीं, वह उसे मोबाइल पर ही मौलानाओं की तकरीर सुनने के लिए भी मजबूर करता था।

युवती के पिता ने पुलिस को बताया कि उन्होंने बेटी को घर के अंदर नमाज पढ़ते हुए देखा था। वह बुर्का भी पहनने लगी थी। पूछने पर उसने बताया था कि वह न तो नमाज पढ़ना चाहती है और न ही बुर्का पहनना चाहती है लेकिन ऐसा करने के सिवाय उसके पास कोई चारा नहीं है। फराज जो कहेगा, उसे वो करना होगा। अगर ऐसा नहीं किया तो वह उससे शादी नहीं करेगा। कैंसर की बीमारी से जूझ रहे बुजुर्ग पिता का कहना है कि युवती की बेबसी देखकर वह खामोश हो गए। फराज ने उसका धर्मांतरण भी करा दिया था। बेटी पांचों वक्त नमाज पढ़ने लगी थी। फराज ने उससे कह रखा था कि वह पांचों वक्त नमाज पढ़ते समय सेल्फी ले। इस सेल्फी को वह व्हाट्सएप से फराज के पास भेजती थी। अगर एक बार भी चूक जाती तो उसे डांट पड़ती। फराज ने उसे नशे की ड्रग देकर आदी बना दिया था।

11 दिसंबर को की थी खुदकुशी

युवती ने 11 दिसंबर को घर की छत पर खुद पर केरोसीन डालकर आग लगा ली थी। उसकी मौके पर मौत हो गई थी। पुलिस ने बुधवार को आरोपी फराज को गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद खुलासा हुआ था कि वह युवती के हिस्से में आने वाली पिता की 20 करोड़ की संपत्ति के लिए पांच साल से प्यार का नाटक कर रहा था। इस धोखे से आहत होकर ही युवती ने जान दी थी।

फराज के नामजद परिजनों की तलाश में पुलिस की दबिश

पुलिस ने इस केस में फराज के साथ उसके भाई कासिफ, मां मोह तलत और बहन सना को भी नामजद किया है। दो आरोपी अज्ञात में है। नामजद आरोपियों की तलाश में पुलिस ने बृहस्पतिवार को कई जगह दबिश दी। वे घर पर नहीं मिले। उनकी रिश्तेदारी में भी पुलिस टीम भेजी गई है। पुलिस का कहना है कि 2021 में युवती का गर्भपात कराने में फराज के परिजन भी शामिल रहे। इसकी मेडिकल रिपोर्ट भी मिल गई है। पिछले महीने भी उस पर गर्भपात का दबाव बनाया गया। वह चार माह की गर्भवती थी।

आरोपी के परिजनों पर भी होगी कार्रवाई

आरोपी फराज अक्तर युवती को प्रताड़ित करता था। इसके साक्ष्य पुलिस को मिले हैं। इस मामले में नामजद फराज के परिजनों पर भी कार्रवाई होगी। युवती के घर से मिले सुसाइड नोट और डायरी की लिखावट का उसकी लिखावट से मिलान कराया जाएगा। –राजेश कुमार, डीसीपी नगर

तुम धोखेबाज हो... मैंने तुम पर भरोसा किया

युवती के मोबाइल फोन से पुलिस को उसके और फराज के बीच की कई चौटिंग मिली हैं। इसे पुलिस कोर्ट के सामने साक्ष्य के रूप में रखेगी। चौटिंग से पता चलता है कि युवती रोज ही ड्रग लेने लगी थी। यह फराज की धोखेबाजी को भी समझ गई थी।

दोनों के बीच की चैटिंग के अंश

युवती : मुझे नींद नहीं आ रही है, ड्रग का इंतजाम करो। फराजः कल व्यवस्था हो जाएगी। मुझे परेशान मत करो। युवती : तुम धोखेबाज हो, मैंने तुम पर भरोसा करके गलत किया। फराज : सोने का टाइम है, सो जाओ, बाकी सब बात सुबह कर लेंगे।

युवती : मैंने नमाज पढ़ना और सजदा करना सीख लिया है।

फराजः अच्छी बात है, सारे स्टेप्स अच्छे से समझ लो। युवतीरू समझ लिए है, सबकी प्रेक्टिस कर रही हूं, सब ठीक है।

युवतीः मैंने अपने पापा को मना लिया है। शादी में तुम क्या पहनोंगे। फराजरू तय कर लेंगे। सब हो जाएगा। जल्दी किस बात की है। युवती : अपनी बहन और भाई के लिए भी देख लो.. क्या पहनना है। फराजः जल्दबाजी करने की जरूरत नहीं। समय पर सब हो जाएगा।

फराजः तुमने मुझसे कुछ छिपाय है, तुम्हारे किसी और से भी संबंध हैं। युवती रू तुम मुझ पर गलत इल्जाम लगा रहे हो, तुम मुझे भोखा दे रहे हो। फराजः कोई बात नहीं, बाद में बात करेंगे। युवती : मैंने बहुत बड़ी गलती की तुम पर भरोसा करके।

मानवता शर्मसार– घर से बेदखल कर...

माताओं को सड़क पर छोड़ रही संतानें, होश उड़ाने वाले वन स्टाप सेंटर के आंकड़ें

लखनऊ। 181 वन स्टॉप सेंटर में वृद्ध महिलाओं को सड़क पर छोड़ जाने के केस अधिक हैं। सभी 60 साल से अधिक उम्र की हैं। अप्रैल से नवंबर तक सात ने मां को छोड़ा। चार को सेंटर ने काउंसिल कर परिजन से मिला दिया। वह कबूतर क्या उड़ा छप्पर अकेला हो गया, मां की आंखें मुंदते ही घर अकेला हो गया, चलती फिरती हुई आंखों से अजा देखी है, मैंने जन्नत तो नहीं देखी है मां देखी हैश। शायर मुनव्वर राना की ये चंद लाइनें मां के किरदार को बताने के लिए कम पड़ जाएं, कुछ ऐसा मां का किरदार होता है। मां जो अपने बच्चे को सीने से लगाकर रखती है। उसके रोने पहले ही मां का दिल धड़क जाता है। उस पालनहार मां को संतानें बड़ी होकर सड़क पर छोड़ दें, घर से बाहर कर दें, तो मानवता शर्मसार हो जाने को मजूबर हो जाती है।

किसी न किसी कारण से घर से बेदखल कर दिया

लखनऊ में वन स्टॉप सेंटर के आंकड़ों के मुताबिक 2024 में अप्रैल महीने से नवंबर माह में बाल विवाह, छेड़खानी, रेप, पॉक्सो दहेज उत्पीड़न आदि के केस की तुलना में वृद्ध महिलाओं के आंकड़े अधिक हैं। केस में वह महिलाएं ज्यादा हैं। इनमें संतानों ने किसी न किसी कारण से उन्हें घर से बेदखल कर दिया। 2024 अप्रैल माह से नवंबर माह में वृद्ध महिलाओं के कुल 15 केस आए। तीन महिलाएं घर से भूलवश बीमारी के चलते आ गई थीं। वहीं 12 को उनके घर से बेसराहा करके सड़क पर छोड़ दिया गया था। सेंटर की ओर से इन तीन महिलाओं को काउंसिल के जरिए उनके घर पहुंचा दिया गया। 2023 में 19 महिलाओं के केस आए। इनमें 15 को उनके घर वालों ने छोड़ दिया। वहीं चार महिलाएं घर से भूलवश आ गई थीं।

उत्पीड़न से परेशान होकर खुद चली आती हैं

वन स्टॉप सेंटर की मैनेजर अर्चना सिंह ने बताया कि अप्रैल से नवंबर के बीच घरेलू हिंसा, मानसिक मंदित, और पलायन के बाद वृद्द महिलाओं को बेघर करने के केस सबसे अधिक आए। इनमें कुछ महिलाएं बहू–बेटे के उत्पीड़न से परेशान होकर खुद ही चली आती हैं। हमारे कई बार कहने पर भी वह घर नहीं जाती हैं। कुछ महिलाओं से काउंसिल के दौरान पूछा भी जाता है लेकिन वह वृद्धाश्रम में रहना ज्यादा हितकर समझती हैं। मढ़ियांवा की एक 55 वर्षीय महिला को उनके परिवार के लोगों ने छोड़ दिया। उनकी बड़ी संवेदनशील कहानी थी।

सेंटर ने महिला को बहू–बेटे से मिलवाया

उनके परिवार से काउंसिल कराकर उन्हें 181 की ओर से काफी संघर्ष कर मिलवाया गया लेकिन तीन महीने में उनकी मृत्यु हो गई। चिनहट की 60 वर्षीय महिला अपने घर से गुम होकर आ गई थीं। 181 सेंटर ने महिला को बहू–बेटे से मिलवाया। भूलवश आने वाली वृद्ध महिलाओं पर केजीएमयू के मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ आदर्श त्रिपाठी बताते हैं कि डिमेंशिया शुरुआती दिनों में रोजमर्रा की चीजें भूलने तक रहती है लेकिन यह जैसे–जैसे बढ़ती है वैसे घर के सदस्यों, आस–पास के इलाके को भूलने के साथ बढ़ जाती है।

बीमार महिलाओं के साथ अपनाएं ये तरीके

यह बीमारी ब्रेन की नसों के डिजेंरेट होने के कारण होती है। ज्यादातर 60 की उम्र के ऊपर देखने को मिलती है। इसके लिए उचित खान–पान और नियमित दिनचर्या उचित होती है। साथ ही परिवार के लोगों को लक्षण देखकर मरीज के हाथ पर पट्टी, टीशर्ट या कपड़े पर नाम, मोबाइल नंबर लिख देना चाहिए। ताकि, गुम होने की नौबत ही न आए।

तहसीलदार की गाड़ी ने युवक को कुचला, 30 किमी तक घसीटा... रास्ते भर बिखरे लाश के चीथड़े

बहराइच। तहसीलदार की गाड़ी ने बाइक सवार को कुचल दिया। 30 किमी तक लाश को घसीटा। रास्ते भर लाश के चीथड़े बिखर गए। देखने वालों के रोंगटे खड़े हो गए। डीएम ने गाड़ी में बैठे नायब तहसीलदार के निलंबन की संस्तुति की है। यूपी के बहराइच में बृहस्पतिवार की रात दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। यहां तहसीलदार नानपारा की गाड़ी ने बाइक सवार को कुचल दिया। घटना के बाद चालक ने रुकने की बजाय कार को और तेज भगा दिया। करीब 30 किमी तक शव को घसीटते ले गया। उसके शरीर के चीथड़े उड़ गए। घटना के बाद जिसने भी लाश देखी उसके रोंगटे खड़े हो गए। भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि लाश पहचानना मुश्किल हो रहा था। तहसीलदार की गाड़ी से नायब तहसीलदार भ्रमण पर निकले थे। डीएम मोनिका रानी ने नायब तहसीलार के निलंबन की संस्तुति की है।

हादसा रामगांव थाना क्षेत्र में चौपाल सागर के पास बहराइच–नानपारा मार्ग पर हुआ। मूल रूप से पयागपुर थाना क्षेत्र के कृष्णा नगर कॉलोनी निवासी नरेंद्र कुमार हालदार (35) अपनी भांजी प्रियंका को छोड़ने उसके घर लखीमपुर खीरी के गोला गए थे। वहां से वह बाइक से वापस लौट रहे थे।

रास्ते में चौपाल सागर के पास तहसीलदार के वाहन ने टक्कर मार मार दी। हादसे के बाद नरेंद्र वाहन में फंस गए। लेकिन, वाहन चालक ने वाहन रोकने के बजाय तेज भगाने लगा। नरेंद्र वाहन में फंसे रहे। वाहन चालक वहां से नानपारा तक यानी लगभग 30 किमी तक घसीटता चला गया।

इससे उसके शरीर के चीथड़े उड़ गए। दर्दनाक मौत हो गई। वाहन रुकने के बाद नानपारा तहसील परिसर में मृतक का क्षत विक्षत शव गिरा। इसके बाद मौके पर हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची कोतवाली नानपारा की पुलिस ने घटना की जानकारी ली। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

परिजनों में मचा कोहराम

वीभत्स हादसे की सूचना पर मृतक नरेंद्र के पिता राधेश्याम, पत्नी शोभरानी रोते बिलखते नानपारा तहसील पहुंची। इस दौरान परिजनों के करौंदा क्रंदन को देख मौजूद कर किसी की आंखें नाम हो गई। मृतक के पिता ने बताया राधेश्याम ने बताया कि बेटे के शव के चीथड़े उड़ गए है। पहचानना मुश्किल हो रहा है। उन्होंने बताया कि इतने वीभत्स हादसे के आरोपियों पर शख्त कार्रवाई करनी चाहिए। वही पत्नी शोभरानी ने बताया कि एक 12 साल का बेटा, एक आठ साल का बेटा और एक बेटी है। उनके सिर से पिता का साया उठ गया है।

नायब तहसीलदार के बैठे होने की चर्चा तेज

रामगांव थाना क्षेत्र के चौपाल सागर के पास हुए

इस हादसे के बाद से चर्चाएं तेज है। नायब तहसीलदार हादसे के वक्त वाहन में बैठे थे। बावजूद इसके उन्होंने भी हादसे के बाद चालक को वाहन रोकने के बारे में नहीं कहा।

थाना प्रभारी आलोक सिंह ने बताया कि तहसीलदार के वाहन से हादसा हुआ है। उस समय मैं पेट्रोलिंग पर था। हादसे के वक्त तहसीलदार वाहन में बैठे थे कि नहीं, इसकी पुष्टि नहीं है। परिजनों की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

होगी सख्त कार्रवाई

एसपी वृंदा शुक्ला ने कहा कि हादसा वीभत्स था और शव को तहसीलदार के वाहन द्वारा लगभग 30 किमी तक घसीटा गया। मृतक के आने के समय और गाड़ी में बैठे नायब तहसीलदार के निकलने के समय का मिलान सीसीटीवी के आधार पर किया जा रहा है। जो भी दोषी होगा उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाएगी। मामले में डीएम मोनिका रानी ने कड़ी कार्रवाई की है। डीएम ने बताया कि जिस समय हादसा हुआ उस समय तहसीलदार नानपारा के सरकारी वाहन में नायब तहसीलदार बैठे थे। लेकिन उनको यह नहीं पता चला कि वाहन में कोई शव फंसा है। इसमें लापरवाही मिलने पर नायब तहसीलदार शैलेंद्र को निलंबित किया जा रहा है। इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है। डीएम ने बताया कि नायब तहसीलदार क्षेत्र में भ्रमण के लिए निकले थे।

पत्नी मेरी मौत की जिम्मेदार

सुसाइड नोट में बयां किया वो दर्द, जो हर दिन सहा, सिर में गोली मारकर दे दी जान

आगरा। आगरा में पार्किंग ठेकेदार ने पत्नी से तंग आकर जान दे दी।

उसने एक सुसाइड नोट भी लिखा है, जिसमें मौत का जिम्मेदार पत्नी को ठहराया है। आगरा के थाना शाहगंज क्षेत्रमें पत्नी के घर छोड़कर जाने और कोर्ट में तलाक की अर्जी डालने से परेशान पार्किंग ठेकेदार ने सिर में गोली मारकर खुदकुशी कर ली। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। घर से तमंचा बरामद किया गया। ठेकेदार बेटी के साथ अकेले रहते थे। सुसाइड नोट में उन्होंने मौत के लिए पत्नी को जिम्मेदार ठहराया है। वायु विहार स्थित सरकारी आवास में रहने वाले रवि धाकड़ की शादी 10 साल पहले नगला पदी की रितु के साथ हुई थी। परिजन ने पुलिस को बताया कि रवि पार्किंग का ठेका लेते थे। पत्नी रितु प्राइवेट नौकरी करती थीं। उनकी आठ साल और तीन साल की दो बेटियां हैं।

करीब 10 महीने पहले रवि का काम छूट गया। पति–पत्नी में झगड़ा होने लगा। चार महीने पहले पत्नी मायके चली गई। बाद में समझौता होने पर रितु घर आ गई। एक दिसंबर को फिर से दोनों में झगड़ा हुआ। पत्नी छोटी बेटी को लेकर चली गई। तब से लौटी नहीं। दो दिन पहले कोर्ट में रवि से तलाक की अर्जी डाल दी।

परिजनों ने बताया कि जानकारी होने पर रवि ने फोन किया लेकिन पत्नी ने बात नहीं की। बुधवार शाम करीब चार बजे बड़ी बेटी घर के बाहर खेल रही थी। तभी घर के अंदर गोली चलाने की आवाज आई। वह दौड़कर अंदर गई तो देखा पिता खून से लथपथ पड़े थे।

पास में ही तमंचा था। उसकी चीख सुनकर पड़ोसी आए और पुलिस को सूचना दी।

लिखा– समझाया मगर तुम नहीं मानी

एसीपी लोहामंडी मयंक तिवारी ने बताया कि अभी तक किसी ने तहरीर नहीं दी है। तमंचा कहां से आया, इसकी जांच की जा रही है। एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें रवि ने अपनी मौत के लिए पत्नी को जिम्मेदार ठहराया है। लिखा है कि मैं परेशान हो गया हूं। तुम्हें कई बार समझाया। मगर, तुम नहीं मानी। मैं तुम्हारी हरकतों से तंग का चुका हूं।

शिवमहापुराण के दौरान भगदड़

मेरठ में प्रदीप मिश्रा की कथा के दौरान भीड़ हुई बेकाबू, कई महिलाएं चोटिल

मेरठ। मेरठ के परतापुर बाईपास पर चल रही शिवमहापुराण के दौरान भगदड़ मच गई। कई महिलाओं के दबे होने की सूचना है। कुछ महिलाएं चोटिल भी हो गई हैं। मेरठ के शताब्दी नगर में चल रही प्रदीप मिश्रा की शिवमहापुराण के दौरान भगदड़ मच गई। कई महिलाओं को हल्की चोटें भी आई हैं। बताया गया कि कथा का आज छठा दिन है।

आज ढाई लाख पहुंची श्रद्धालुओं की संख्या

हर दिन जहां डेढ़ लाख श्रद्धालु कथा सुनने पहुंच रहे थे वहीं आज श्रद्धालुओं की संख्या ढाई लाख पहुंच गई। बताया गया कि व्यवस्था बनाने में काफी दिक्कत आई। भीतर की तरफ पंडाल पूरी तरह फुल हो गया, जबकि बाहर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हो गए थे। इनमें काफी संख्या में महिलाएं भी थीं। बाहर जमा श्रद्धालुओं में अफरा–तफरी का माहौल बन गया। इस दौरान कई महिलाएं मामूली रूप से चोटिल हो गईं।

ये बोले आयोजक

हालांकि आयोजकों को कहना है कि कथा स्थल पर भगदड़ नहीं मची बल्कि बाहर ज्यादा संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, ऐसे में पंडाल के बाहर जमा श्रद्धालुओं की व्यवस्था बनाने में परेशानी हुई। इस दौरान कुछ महिलाएं गिर गईं। फिलहाल व्यवस्था बनाई जा रही है। पुलिस मौके पर मौजूद है। बताया गया कि कथा स्थल के सभी पंडाल फुल हो चुके हैं। जितनी जनता पंडाल के अंदर थी। उससे ज्यादा पंडाल के बाहर रही। अंतिम दिन होने के कारण कई जगह बैरिकेडिंग की गई है।

कथा में बोले प्रदीप मिश्रा, मिट नहीं सकती सनातन की सुगंध

शताब्दीनगर में चल रही शिव महापुराण कथा में गुरुवार को कथा व्यास पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि परमात्मा ने जो भी अवसर दिए हैं, उनका सदुपयोग करें। अगर सदुपयोग कर लिया तो फिर कोई आपको गिराने वाला नहीं होगा। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म दैवीय सुगंध है। सनातन की सुगंध को कोई मिटा नहीं सकता। कथा में महामंडलेश्वर अनंतदास महाराज (फ्लाइट बाबा) भी पहुंचे। पूर्व सांसद राजेंद्र अग्रवाल ने व्यास पीठ का पूजन किया। पंडित प्रदीप मिश्रा ने कहा कि अगर कोई असमर्थ बालक या बालिका को शिक्षा दिलवा सके तो इससे बेहतर कोई दान नहीं है। महीने में एक शिवरात्रि, वर्ष में बारह शिवरात्रि और महाशिवरात्रि आती है, वहीं शिव कथा के मध्य में नित्य ही शिवरात्रि आती है। कथा से पूर्व वीआईपी पंडाल से कुर्सी हटा दी गई। कुर्सी हटाने पर उन्होंने कहा कि बहुत प्रसन्नता हो रही वीआईपी वालों के घुटने मेरे भोले बाबा ने सही कर दिए हैं। सभी नीचे जमीन पर आराम से बैठे हैं।

कथा व्यास ने कहा– चींटी से एकजुट होना सीखें, सीएम के नारे का भी किया जिक्र

कथा व्यास ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी ने भी नारा दिया है– बंटोगे तो कटोगे। यह संदेश सबको साथ जोड़ने के लिए है। उन्होंने कहा कि सभी समूह में रहें। चींटी भी हमें ज्ञान देती हैं। चींटियां समूह में चलती हैं। इसलिए चींटी से एकजुट होना सीखें। वे एकजुट होकर कचरे में भी शक्कर का दाना निकाल लेती हैं।

अंतिम दिन व्यवस्था बनाने में छूटे आयोजकों के पसीने

कथा के दौरान अंतिम दिन भारी भीड़ से अव्यवस्था हावी रही। भीड़ अधिक होने के कारण हर तरफ बैरिकेडिंग की गई थी। वीआईपी कार्ड धारकों को गेट नंबर 1 से अंदर भेजा जा रहा था। इसी दौरान काफी संख्या में महिलाएं इस गेट की ओर चली आईं। पुलिस ने इस गेट से महिलाओं को जाने से रोका तो इसी दौरान कुछ महिलाएं पीछे लौटते समय नीचे गिर गईं।

नीचे गिरी महिलाओं को अन्य श्रद्धालुओं ने उठाया। इसी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे कथा में भगदड़ की अफवाह फैल गई। एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि कथा में किसी तरह की कोई भगदड़ नहीं मची है। कोई घायल हुआ है कथा सुचारू रूप से चल रही है। भगदड़ की सूचना अपवाह है। एसपी क्राइम भी मौके पर मौजूद हैं।

संभल के बाद अब यूपी के इन पांच जिलों में चलेगा बिजली विभाग का बड़ा अभियान

- संभल में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी का मामला सामने आने के बाद अब मंडल के पांचों जनपदों में धार्मिक स्थलों पर लगे बिजली मीटरों को लेकर चेकिंग अभियान चलेगा। कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने
- अफसरों को निर्देश दिए कि मंडल के सभी जिलों मुरादाबाद रामपुर अमरोहा संभल व बिजनौर में स्थित मंदिर मस्जिद गुरुद्वारे और गिरिजाघरों में बिजली मीटर लगे होने व संचालन के संबंध में चेकिंग अभियान चलाएं।

मंडल के पांचों जनपदों में धार्मिक स्थलों पर लगे विद्युत मीटरों का चलेगा चेकिंग अभियान विकास, राजस्व कार्यों एवं कानून–व्यवस्था की मंडलीय समीक्षा बैठक में कमिश्नर ने दिये निर्देश सीडीओ रामपुर को स्पष्टीकरण नोटिस जारी करने के निर्देश, गैर हाजिर रहने पर जताई नाराजगी

संवाददाता, मुरादाबाद। संभल में बड़े पैमाने पर बिजली चोरी का मामला सामने आने के बाद अब मंडल के पांचों जनपदों में धार्मिक स्थलों पर लगे बिजली मीटरों को लेकर चेकिंग अभियान चलेगा। विकास, राजस्व कार्यों एवं कानून–व्यवस्था की मंडलीय समीक्षा बैठक में कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह ने बिजली अफसरों को यह निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि मंडल के सभी जिलों मुरादाबाद, रामपुर, अमरोहा, संभल व बिजनौर में स्थित मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारे और गिरिजाघरों में बिजली मीटर लगे होने व संचालन के संबंध में चेकिंग अभियान चलाएं। इस दौरान अनिवार्य रूप से यह भी देखा जाए कि इन धार्मिक स्थलों के मीटरों से अन्य विभिन्न कार्यों के लिए बिजली की खपत तो नहीं की जा रही है। पुराने जर्जर पोल होने की शिकायतों पर नाराजगी व्यक्त करते हुए यथाशीघ्र उन्हें हटाने के निर्देश दिए। इतना ही नहीं बैठक में सीडीओ रामपुर के बिना पूर्व अनुमति के गैर हाजिर रहने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए स्पष्टीकरण नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

आयुक्त सभागार में गुरुवार को समीक्षा बैठक हुई, जिसमें कमिश्नर ने कहा कि प्रत्येक जिले में सीडीओ की देखरेख में विकास खंडवार सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रगति और क्रियान्वयन की संभावनाओं को लेकर वास्तविक आंकड़े तैयार कराए जाएंगे। इसके लिए बाकायदा एक माह का समय निर्धारित किया।

सीएमओ से वैक्सीन की उपलब्धता के बारे में जानकारी करते हुए कहा कि बच्चों को हर जरूरी वैक्सीन लगनी चाहिए। वैक्सीनेशन के संबंध में विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। बिजनौर में वैक्सीनेशन और संस्थागत प्रसव के लिए उठाए गए कदम कि सराहना की। कहा कि मंडल के अन्य जिले भी सरकारी अस्पताल, पंजीकृत अस्पताल एवं गैर पंजीकृत अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चों का डाटा तैयार कराएं। इससे शत प्रतिशत बच्चों का वैक्सीनेशन कराया जा सकेगा। अवैध रूप से संचालित अस्पतालों पर भी कार्रवाई करने में मदद मिलेगी।

टीबी रोगियों के उपचार के लिए हाट स्पाट चिह्नित कर सघन जांच की बात कही। सरकार की प्रत्येक योजना और कार्यक्रम का लाभ हर पात्र एवं जरूरतमंद व्यक्ति को अनिवार्य रूप से मिले। इसकी मानीटरिंग के लिए उन्होंने गांव को इकाई मानकर योजनाओं को प्रभावी बनाने पर जोर दिया। प्रतिबंधित दवाइयों की बिक्री पर सख्ती से रोक लगाने के लिए औषधि प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए। ग्राम पंचायतों में बनाए गए अंत्येष्टि स्थलों के निर्माण कार्य के दौरान निर्धारित मानकों के अनुपालन के लिए सत्यापन कराने के निर्देश दिए। इस दौरान डीआइजी मुनिराज जी, डीएम अनुज सिंह, एसएसपी सतपाल अंतिल समेत मंडल के पांचों जनपदों के डीएम, कप्तान व अन्य अफसर मौजूद रहे।

अवैध कब्जों व अतिक्रमण को चिह्नित कर जमीनों को कराएं कब्जामुक्त

कमिश्नर ने अफसरों से कहा कि ऐसे प्रकरण सामने आ रहे हैं जिनमें राजस्व अभिलेखों में तो चरागाह के तौर पर जमीन आरक्षित हैं। लेकिन, उन जमीनों पर अवैध कब्जा अथवा अतिक्रमण है। ऐसे सभी मामलों को चिह्नित करके उन जमीनों को अवैध कब्जा मुक्त कराया जाए। ठंड से बचाव के लिए रैन बसेरे संचालित करने के साथ जरूरतमंद लोगों को कंबल भी वितरित किए जाएं। डीएम सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी समय–समय पर रैन बसेरों का औचक निरीक्षण भी करें। यह सुनिश्चित करें कि कोई भी व्यक्ति खुले आसमान के नीचे रात व्यतीत न करें।

संभल में सांसद बर्क के आवास पर बुलडोजर एक्शन, अवैध सीढ़ियों को किया गया ध्वस्त

संभल। शहर में अवैध निर्माणों के खिलाफ नगर पालिका ने अभियान तेज कर दिया है। इस कार्रवाई के तहत शुक्रवार को पालिका की टीम ने दीपा सराय स्थित सांसद जियाउर्रहमान बर्क के आवास पर भी बुलडोजर चलाया।

नए आवास के बाहर बनीं अवैध सीढ़ियों को ध्वस्त कर दिया गया। इस दौरान पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति न उत्पन्न हो सके।

पालिका की टीम सुबह ही अभियान पर निकल पड़ी और क्षेत्र में जगह–जगह मकानों के आगे बने अवैध स्लैब और सीढ़ियों को तोड़ा गया। कार्रवाई के दौरान कई स्थानों पर स्थानीय लोग इस कार्रवाई से नाराज दिखे, लेकिन पुलिस की मौजूदगी होने के चलते किसी ने विरोध नहीं किया।

सांसद के आवास पर हुई इस कार्रवाई ने सभी का ध्यान खींचा। पालिका के अधिशासी अधिकारी डा. मणिभूषण तिवारी का कहना है कि यह अभियान सभी अवैध निर्माणों के खिलाफ है और इसमें किसी प्रकार की पक्षपात की गुंजाइश नहीं है। पालिका के इस सख्त कदम से शहरवासियों में हलचल मची हुई है। नगर पालिका के अनुसार यह अभियान जारी रहेगा, ताकि शहर को अवैध अतिक्रमण से मुक्त किया जा सके।

जामा मस्जिद के बाहर भगवा पटका पहनकर पहुंचा युवक, हिरासत में

जामा मस्जिद के बाहर भगवा पटका पहने और माथे पर तिलक लगाए एक युवक के पहुंचने से तनावपूर्ण स्थिति बन गई। युवक को देखकर मस्जिद में नमाज के लिए जा रहे लोग आक्रोशित हो गए और उसे घेरकर पीटने की कोशिश की। हालांकि पुलिस ने युवक को तुरन्त पकड़ लिया और हिरासत में लेकर स्थिति को संभाला।

यूपी में 5 कालोनियों पर चला बुलडोजर, छत–दीवारें टूटीं

बीडीए की कार्रवाई के दौरान मौके से फरार हो गए कालोनाइजर, सीकरी गेट पर चले बुलडोजर ने नालों पर बनी स्लैब व सीढ़ियां तोड़ीं

संवाददाता, बरेली। शहर के रहपुरा चौधरी में अवैध रूप से बसाई जा रही पांच कालोनियों पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया।

प्राधिकरण की कार्रवाई से कालोनाइजरों में खलबली मच गई। कार्रवाई के दौरान कब्जेदार मौके से फरार हो गए। अफसरों ने आगामी दिनों में भी इसी तरह अवैध निर्माण के विरुद्ध कार्रवाई जारी रखने की बात कही।

विकास प्राधिकरण की ओर से बीते कुछ समय से अवैध निर्माण के विरुद्ध अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है।

गुरुवार को बीडीए उपाध्यक्ष मनिकंडन ए. के निर्देश पर रहपुरा चौधरी में बिना नक्शा स्वीकृत किए ही बसाए जा रहे पांच अलग–अलग कालोनियों पर बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया।

बरेली के रहपुरा चौधरी में बिना स्वीकृत नक्शे के बसाई जा रही पांच अवैध कालोनियों पर बीडीए ने बुलडोजर चलाकर निर्माण ध्वस्त किया। चेतावनी के बावजूद निर्माण जारी था। आमजन को स्वीकृत भूखंड खरीदने की अपील की गई। वहीं चंदौसी में नगरपालिका ने सीकरी गेट और संभल गेट पर नाले और सड़क पर किए अतिक्रमण हटाए। दुकानों व मकानों की स्लैब और सीढ़ियां तोड़ीं। अभियान जारी रहेगा।

चेतावनी देने के बाद भी नहीं रोका निर्माण

उपाध्यक्ष मनिकंडन ए. ने बताया कि गुरुवार को प्राधिकरण के प्रवर्तन दल ने इज्जतनगर थानाक्षेत्र के रहपुरा चौधरी में इकराम बेग व अन्य लोगों द्वारा 7000 वर्गमीटर, 5000 वर्गमीटर व 4000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में बिना मानचित्र स्वीकृति के तीन अवैध कालोनियों का निर्माण करते पाया। जिसे पूर्व में चेतावनी देने के बाद भी निर्माण नहीं रोका गया। इस पर गुरुवार को कार्रवाई की गई।

अवैध कालोनियों के विरुद्ध कार्रवाई

वहीं, छत्रपाल आदि द्वारा रहपुरा चौधरी में ही 4000 वर्गमीटर क्षेत्रफल और शोएब, मुनीफ, मोहनिस व अन्य द्वारा लगभग पांच हजार वर्गमीटर क्षेत्रफल में बिना विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के सड़क, साइड आफिस, भूखंडों का चिह्नांकन करते पाया गया। अवैध कालोनियों के विरुद्ध कार्रवाई कर ध्वस्त कर दिया गया।

बताया कि शहरी क्षेत्र में विकास प्राधिकरण की स्वीकृति देखकर ही आमजन भूखंडों की क्रय की किया जाए। बताया कि आगे भी प्राधिकरण की ओर से नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता अनिल कुमार, सुनील कुमार व अवर अभियंता रमन अग्रवाल, अजीत साहनी, सीताराम एवं अन्य अधिकारी रहे।

सीकरी गेट पर चले बुलडोजर ने स्लैब व सीढ़ियां तोड़ीं

वहीं दूसरी ओर, चंदौसी में नगरपालिका कर्मचारियों ने बुलडोजर से सीकरी गेट पर नाले व सड़क पर किए गए अतिक्रमण को हटाया। इस दौरान बुलडोजर ने नाले व नाली पर बनी स्लैब व सीडियां तोड़े गए।

नगर के चल रहा अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी है और गुरुवार को सड़क व नाले पर किए दुकानदारों के अवैध कब्जे को हटाने के लिए ईओ कृष्ण कुमार सोनकर की अगुवाई में नगर पालिका टीम ने पीएसी के जवानों के साथ बुलडोजर लेकर सीकरी गेट पहुंच गए। जहां पर टीम ने बुलडोजर से दुकानों व मकान के आगे स्लैब, सीड़ियां, छज्जे, बोर्ड आदि बनाकर किया गया अतिक्रमण हटाना प्रारंभ कर दिया। टीम की सख्ती और बुलडोजर को चलता देखकर अतिक्रमण करने वालों में खलबली मच गई और लोगों ने खुद ही मकान व अपनी दुकानों के आगे स्लैब को तोड़ना शुरु कर दिया। इस दौरान टीम ने लोगों को चेतावनी दी अगर चिंहित किया गया अतिक्रमण नहीं हटाया तो उससे जुर्माना भी वसूल किया जाएगा।

इसके साथ टीम ने संभल गेट में भी अतिक्रमण हटवाया। ईओ कृष्ण कुमार सोनकर ने कहा कि लगातार शहर में लाउडस्पीकर से अतिक्रमण हटाने को लोगों को निर्देशित किया जा रहा है और खुद पालिका की टीम अतिक्रमण को चिन्हित करके हटा रही है।

यह अभियान शहर को अतिक्रमण से मुक्त करने तक जारी रहेगा। इस दौरान ऋषभ कुमार, सुनील कुमार, प्रियंका सिंह, अवनेश गुप्ता,आशीष कुमार, अरविंद कुमार, प्यारे लाल आदि शामिल रहे।

राहुल गांधी पर 6 धाराओं में FIR दर्ज

- **3(5)**- सामूहिक अपराध
- **धारा 115**- चोट पहुंचाने के इरादे से काम करना
- **धारा 117**- जान-बूझकर गंभीर चोट पहुंचाना
- **धारा 125**- निजी सुरक्षा को जान-बूझकर खतरे में डालना
- **धारा 131**- धक्का देना और डराना-धमकाना
- **धारा 351**- धमकी देना

संसद भवन की तस्वीरें

कलाकारों ने ड्रम बजाकर दी जाकिर हुसैन को अंतिम विदाई

सैन फ्रांसिस्को में हुए सुपुर्द–ए–खाक

एंटरटेनमेंट डेस्क। विश्वप्रसिद्ध तबलावादक जाकिर हुसैन को गुरुवार को सैन फ्रांसिस्को के कब्रिस्तान में सुपुर्द–ए–खाक किया गया। इस दौरान तालवादक ए शिवमणि और अन्य कलाकारों ने उन्हें ड्रम बजाकर श्रद्धांजलि दी। विश्वप्रसिद्ध तबलावादक जाकिर हुसैन को गुरुवार को सैन फ्रांसिस्को के कब्रिस्तान में सुपुर्द–ए–खाक किया गया। इस दौरान प्रसिद्ध तालवादक ए शिवमणि और अन्य कलाकारों ने उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए थोड़ी दूरी पर अपने ड्रम बजाए। जाकिर हुसैन ने 73 वर्ष की आयु में इस दुनिया को अलविदा कह दिया।

ड्रम बजाकर दी श्रद्धांजलि

जाकिर हुसैन के अंतिम संस्कार में उनके सैकड़ों प्रशंसक उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए एकत्र हुए। शिवमणि और कई अन्य संगीतकारों ने उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए थोड़ी दूरी पर ड्रम बजाए। शिवमणि ने पीटीआई से कहा, ष्ताल ही ईश्वर है, वह आप हैं जाकिर भाई। 1982 से लेकर अब तक के हमारे सफर में मैंने बहुत कुछ सीखा है। हर पल आप लय में हमारे साथ होते हैं। जब भी मैं लय पकड़ता हूं, आप वहां होते हैं। हम आपसे प्यार करते हैं जाकिर भाई। आपकी यात्रा सुखद रहे। सभी उस्तादों को मेरा प्रणाम दें।

5 ग्रैमी मिले जाकिर हुसैन को

मशहूर तबला वादक अल्ला रक्खा के बेटे जाकिर हुसैन ने इस तबला के क्षेत्र में क्रांति ला दी, वह इसे शास्त्रीय संगीत की सीमाओं से परे जैज और पश्चिमी शास्त्रीय संगीत सहित अन्य रूपों में ले गए।

भारत के सबसे प्रसिद्ध संगीतकारों में से एक ने छह दशकों के करियर में पांच ग्रैमी पुरस्कार जीते हैं, जिनमें से तीन इस साल की शुरुआत में 66वें ग्रैमी पुरस्कार में मिले।

पद्म श्री, पद्म भूषण और पद्म विभूषण से हुए सम्मानित

जाकिर हुसैन को साल 1988 में पद्म श्री, 2002 में पद्म भूषण और 2023 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया। अपने छह दशकों के करियर में, संगीतकार ने कई प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय और भारतीय कलाकारों के साथ काम किया। जाकिर हुसैन के निधन के बाद पूरे कला जगत में शोक की लहर दौड़ पड़ी। लोगों ने सोशल मीडिया पर उन्हें श्रद्धांजलि देनी शुरू कर दी।

नहीं रहे नेपाली इंफ्लुएंसर बिबेक पंगेनी

कैंसर से हारी जंग, पत्नी श्रीजना ने हर कदम पर दिया साथ

एंटरटेनमेंट डेस्क। आज के दौर में कोई भी शख्स सोशल मीडिया से दूर नहीं है। सोशल मीडिया लोगों के लिए वह माध्यम बन गया है, जिसके जरिए वह अपनी निजी जिंदगी के ताजा अपडेट्स अपने करीबियों के साथ साझा करते हैं। अगर किसी की वीडियो वायरल हो जाए तो वह रातोंरात स्टार बन जाता है। पिछले कुछ दिनों से नेपाल का एक वायरल कपल अपनी वीडियोज से सोशल मीडिया पर छाया हुआ था। जो लोग एक्टिव रहते हैं, वह नेपाली कपल बिबेक पंगेनी और उनकी पत्नी श्रीजना सुबेदी के बारे में पता होगा। अब इस कपल को एक दुखद खबर आ रही है। आइए जानते हैं।

नेपाली इन्फ्लुएंसर बिबेक पंगेनी की मौत

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर बिबेक पंगेनी की ब्रेन ट्यूमर से लड़ाई लड़ने के बाद मृत्यु हो गई है। 2022 में उन्हें इस बीमारी का पता चला था। इस खबर के सामने आने के बाद हर कोई उन्हें श्रद्धांजलि दे रहा है और पत्नी श्रीजना सुबेदी के समर्पण की तारीफ कर रहा है। बता दें कि कैंसर की इस जंग में श्रीजना सुबेदी ने अपने पति बिबेक पंगेनी का खूब साथ दिया था। एक हमसफर बनकर वह हर कदम पर पति के साथ खड़ी थीं।

बिबेक की ढाल बनी थीं श्रीजना

श्रीजना सुबेदी का यह समर्पण देख हर कोई

बिबेक पंगेनी और उनकी पत्नी श्रीजना सुबेदी –

चाहता था कि उनके पति बिबेक ठीक हो जाए। श्रीजना पति के इलाज के दौरान अपनी और बिबेक की तस्वीरें और वीडियोज भी फैंस के साथ साझा करती रहती थीं, जिसे फैंस खूब पसंद भी करते थे। अब बिबेक के निधन की खबर सुनकर सोशल मीडिया पर फैंस श्रीजना को हिम्मत रखने के लिए कह रहे हैं।

सोशल मीडिया पर मिला ऐसा रिएक्शन

एक यूजर ने लिखा, श्श्रीजना ने पूरी हिम्मत और प्यार के साथ बिबेक की देखभाल की और चाहती थीं कि कोई चमत्कार हो जाए और उनका पति ठीक हो जाए, लेकिन भगवान ने बिबेक को छीनकर ठीक नहीं किया है।श दूसरे यूजर ने लिखा, इस कपल को देखकर मेरे आंसू नहीं रुकते थे। उन्होंने अपने पति को बचाने के लिए हर संभव प्रयास किए थे। बहुत गलत हुआ। एक और यूजर ने लिखा, श्आज की दुनिया में श्रीजना जैसा हमसफर मिलना बहुत मुश्किल है।

पीएचडी के छात्र से थे बिबेक

बता दें कि बिबेक जॉर्जिया यूनिवर्सिटी में भौतिकी और खगोल विज्ञान में पीएचडी कर रहे थे। साल 2022 में उन्हें ब्रेन कैंसर के बारे में पता चला था। उस समय उनका कैंसर तीसरे स्टेज पर पहुंच गया था। तमाम बड़े इलाज कराने के बाद भी बिबेक कैंसर की इस जंग में हार गए और श्रीजना को अकेला कर दुनिया से रुखसत हो गए।

सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर बिबेक पंगेनी की ब्रेन ट्यूमर से लड़ाई लड़ने के बाद मृत्यु हो गई है। २०२२ में उन्हें इस बीमारी का पता चला था। इस खबर के सामने आने के बाद हर कोई उन्हें श्रद्धांजलि दे रहा है और पत्नी श्रीजना सुबेदी के समर्पण की तारीफ कर रहा है।

39 की उम्र में ही बन बैठीं दादी

शादीशुदा एक्टर ने दे डाला था 2 करोड़ का गिफ्ट

मुम्बई। ऋतिक रोशन और कंगना रनौत के रिश्ते ने खूब सुर्खियां बटोरी थीं. दोनों के बीच की लड़ाई भी जग–जाहिर थी. लेकिन एक और विदेशी एक्ट्रेस हैं जिनके साथ ऋतिक के अफेयर की खूब चर्चा हुई थी. एक्टर ने अपनी विदेशी को–स्टार को 2 करोड़ की लग्जरी वैनिटी वैन गिफ्ट की थी जिसने सबका खूब ध्यान खींचा था.

साल 2010 में ऋतिक रोशन की फिल्म 'काइट्स' आई थी. इस फिल्म से मेक्सिकन एक्ट्रेस बारबरा मोरी ने बॉलीवुड डेब्यू किया था. पहली ही फिल्म में लोग एक्ट्रेस की खूबसूरती के दीवाने हो गए थे. बारबरा भले ही अपनी पहली फिल्म से दर्शकों का दिल नहीं जीत पाई थीं, लेकिन उनकी खूबसूरती के बॉलीवुड के गलियारों में खूब चर्चे हुए थे.

फिल्म 'काइट्स' बारबरा मोरी के बॉलीवुड करियर की पहली और आखिरी फिल्म साबित हुई. इसके फ्लॉप होने के बाद एक्ट्रेस ने बॉलीवुड से दूरी बना ली और आज वो गुमनामी की जिंदगी जी रही हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के दावों के अनुसार इस फिल्म की शूटिंग के वक्त बारबरा मोरी और ऋतिक रोशन की नजदीकियां बढ़ी थीं. दोनों एक–दूसरे के इतने करीब आ गए थे कि एक्टर ने बिना कुछ सोचे–समझे उन्हें 2 करोड़ का भारी भरकम गिफ्ट दे डाला था.

बारबरा मोरी इन दिनों बॉलीवुड से दूर मेक्सिकन फिल्मों का हिस्सा हैं. एक्ट्रेस अपनी फिल्मों से ज्यादा वह अपनी निजी जिंदगी के चलते सुर्खियों में छाई रहती हैं. ये खूबसूरत विदेशी एक्ट्रेस बहुत ही कम उम्र में दादी बन गई थीं.

बारबरा 1996 में मतहपव डंलमत के साथ रिलेशनशिप में थीं, जिससे उनका एक बेटा मतहपव डंलमत डवतप भी है. जिनका जन्म 1998 में हुआ था. एक्ट्रेस के बेटे की एक बेटी भी है यानी बारबरा दादी बन चुकी हैं. वो महज 39 साल की उम्र में दादी बन गई थीं.

पहले रिलेशनशिप से बेटा होने के बाद एक्ट्रेस का ब्रेकअप हो गया था. उन्होंने साल 2016 में बास्केटबॉल प्लेयर झमददमजी त्ल पहउंद से शादी की थी. लेकिन उनकी ये शादी एक साल भी नहीं टिक पाई थी और साल 2017 में कपल का तलाक हो गया था.

बारबरा मोरी अपने तलाक के बाद से अकेले जिंदगी गुजार रही हैं. साल 2010 में आई फिल्म काइट्स की एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. वो फैंस के साथ अपनी जिंदगी की सारी डिटेल साझा करती हैं।

भारी पड़ी जेठानी रहीं मलाइका

मुम्बई। मलाइका अरोड़ा ने अपने बेटे अरहान खान के साथ स्कारलेट हाउस रेस्टोरेंट की शुरुआत की, तो अब उनकी एक्स नदद अर्पिता खान ने भी रेस्टोरेंट ओनर बन गई हैं। उन्होंने हाल ही में लॉन्च पार्टी रखी। जहां बी–टाउन के सितारे पहुंचे, तो खान परिवार की दो एक्स बहुओं का भी आमना– सामना हुआ। दोनों यहां एकदम सज–संवरकर स्टाइलिश अंदाज में पहुंची थीं। जिन पर सबकी नजरें ठहर गईं। दरअसल, मलाइका के बाद उनकी देवरानी रही सीमा सजदेह भी अपने बेटे निर्वान खान के साथ इवेंट में पहुंची थीं। जहां जेठानी मलाइका के आगे सीमा का किलर अवतार भी काम न आया। दोनों ने ब्लैक एंड वाइट कपड़े पहने। जहां 51 साल की मलाइका का जींस वाला अंदाज 44 की सीमा की शॉर्ट्स पर भारी पड़ गया। यकीन न हो तो आप खुद ही उनके लुक पर नजर डाल लीजिए। (फोटो साभाररू योगेन शाह)

क्रॉप टॉप के साथ जींस में दिखीं मलाइका

अपने रेस्टोरेंट की लॉन्च के लिए मलाइका बेटे अरहान की तरह सूट– बूट में आईं, तो अब उन्होंने वाइट कलर के क्रॉप टॉप के साथ ब्लैक फ्लेयर्ड पैंट्स पहनी, जो घुटनों तक फिटेड हैं और नीचे इसकी लूज फिट शानदार लगी। वहीं, स्क्वायर नेकलाइन के साथ टॉप को रफल डीटेलिंग दी गई। जिसमें स्क्वायर नेक और स्लीव्स पर नेट के वाइट फैब्रिक से डीटेलिंग हुई। जिस पर वाइट डॉट्स हैं। इस लुक में न सिर्फ हसीना के बॉडी कर्व ब्यूटीफुली फ्लॉन्ट हो रहे हैं, बल्कि वह सीमा के साथ बाकी सितारों को भी किनारे कर गईं।

इस तरह लुक को दिया फाइनल टच

अपने इस ब्लैक एंड वाइट लुक को मलाइका ने मिनिमल जूलरी के साथ स्टाइल किया। वह गले में पेंडेंट और हाथ में गोल्डन कलर का कंगन जैसा ब्रेसलेट पहने दिखीं। जिसे उन्होंने अपनी स्लीव्स के ऊपर ही स्टाइल है। साथ में उन्होंने लग्जरी ब्रांड शनेल का ब्लैक बैग कैरी किया और ब्लैक हील्स स्टाइल पेयर की। वहीं, रेड लिप्स के साथ लुक को बोल्ड टच देकर उन्होंने बालों को मिडिल पार्टीशन के साथ बन में बांधा।

अश्वल ब्लैक लुक में दिखीं सीमा

सोहेल खान की एक्स वाइफ सीमा सजदेह की बात करें तो उन्होंने ऑल ब्लैक लुक को चुना। वह कटआउट डीटेलिंग वाले टॉप और मैचिंग शॉर्ट्स में दिखीं। जिनका फ्लावर और बॉर्डर पैटर्न वाला डिजाइन इसे शानदार टच दे रहा है। वहीं, स्प्लिट क्रू नेकलाइन में बटन लगे हैं। जिसे पहन हसीना अपनी अदाएं दिखा रही हैं, लेकिन मलाइका के सामने वो काम नहीं आईं।

खान परिवार की दो बहुओं का हुआ आमना–सामना

रोहित शर्मा

मैने अच्छी बल्लेबाजी नहीं की। इसे स्वीकार करने में कोई दिक्कत नहीं है। जब तक मेरा शरीर, दिमाग और पैर अच्छी तरह से मूव कर रहे हैं तब तक मैं खेल रहा हूं। रन सारी कहानी नहीं कहते, लेकिन अभी मुझे खेलते हुए ठीक लग रहा है।

इस तरह से बार-बार बारिश की बाधा आना सही नहीं है, लेकिन मेलबर्न में बॉक्सिंग-डे टेस्ट के लिए 1-1 के सीरीज स्कोर पर पहुंचना आपको आत्मविश्वास देता है। यह मैच बचाने का पूरा श्रेय राहुल और जडेजा को जाता है। उन्हें खेलते देखना सुखद था।

हरभजन सिंह

अश्विन को शानदार क्रिकेट करियर के लिए बधाई। टेस्ट क्रिकेटर के तौर पर आपकी महत्वाकांक्षा सराहनीय थी। एक दशक से ज्यादा समय तक भारतीय स्पिन के ध्वजवाहक बने रहने के लिए बधाई। आपकी उपलब्धियों पर बहुत गर्व है और उम्मीद है कि अब आपसे अक्सर मुलाकात होगी।

गौतम गंभीर

आपको एक युवा गेंदबाज से आधुनिक क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ी के रूप में विकसित होते देखने का सौभाग्य कुछ ऐसा है जिसे मैं कभी भूल नहीं पाऊंगा। मैं जानता हूं कि आने वाली पीढ़ियों के गेंदबाज कहेंगे कि मैं अश्विन की वजह से गेंदबाज बना! आपकी याद आएगी भाई!

युवराज सिंह

वैल प्लेड ऐश और शानदार सफर के लिए बधाई! दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को अपने जाल में फंसाने से लेकर मुश्किल हालात में डटे रहने तक, आप टीम के लिए एक बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं। दूसरी तरफ आपका स्वागत है।

विराट कोहली

मैं आपके साथ 14 सालों तक खेला और जब आपने मुझे बताया कि संन्यास ले रहे हैं तो मैं थोड़ा भावुक हो गया। आपके साथ में खेलने की सारी यादें सामने आ गईं। मैंने आपके साथ सफर के हर पल का आनंद लिया है। आपको हमेशा भारतीय क्रिकेट के एक दिग्गज के रूप में याद किया जाएगा। आपको और आपके करीबी लोगों को बहुत सम्मान और ढेर सारा प्यार। हर चीज के लिए शुक्रिया दोस्त।

रविचंद्रन अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया: 106 टेस्ट में 537 विकेट लिए; भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले दूसरे बॉलर

विकेट वीर... अश्विन का संन्यास

287 मैच में 765 विकेट, अनिल कुंबले (956) के बाद ऐसा करने वाले देश के दूसरे गेंदबाज

भास्कर न्यूज | ब्रिस्बेन

टीम में कभी न कभी हर खिलाड़ी का दिन आता है, आज मेरा दिन है। मैं लीग क्रिकेट खेलता रहूंगा।

टीम इंडिया के टॉप ऑफ स्पिनर और 2011 की विश्व विजेता टीम का हिस्सा रहे आर. अश्विन (38) ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। भारत-ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए तीसरे टेस्ट मैच के ड्रॉ होने के बाद उन्होंने यह घोषणा की। हालांकि वह आईपीएल जैसी लीग में खेलते रहेंगे। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट में भारत के दबदबे में अहम भूमिका निभाई। उनके नाम तीनों फॉर्मेट में कुल 765 विकेट हैं। टेस्ट मैचों में 37 बार 5 तो 8 बार 10 विकेट लिए। इस मामले में श्रीलंका के मुथैया मुरलीधरन के बाद दूसरे गेंदबाज हैं। मुरली ने 67 बार 5 विकेट लिए थे।

इन रिकॉर्ड्स ने अश्विन को श्रेष्ठ बनाया...

- अश्विन ने 106 टेस्ट मैच में 537 विकेट लिए। इतने विकेट लेने वाले वो दुनिया के 7वें गेंदबाज हैं। उनसे ऊपर कुंबले हैं, जिनके नाम 619 टेस्ट विकेट हैं।
- 2011 में डेब्यू करने के बाद घरेलू मैदान पर उन्होंने 65 टेस्ट खेले। इनमें 47 जीते। घर पर 52 जीत का रिकॉर्ड सिर्फ सचिन तेंदुलकर के नाम है। इन 65 टेस्ट में उन्होंने 383 विकेट लिए, जो भारतीयों सर्वाधिक हैं।
- टेस्ट में 500 विकेट लेने वाले दुनिया के 9 गेंदबाजों में उनका स्ट्राइक रेट सबसे अधिक 50.73 का है। उनके नाम 6 शतक और 14 अर्द्धशतक भी दर्ज हैं।

... और इसलिए याद रखे जाएंगे

- **नंबर वन गेंदबाज:** 2015 में आईसीसी ने टेस्ट बॉलर रैंकिंग में आर. अश्विन को नंबर वन चुना।
- **क्रिकेटर ऑफ द ईयर:** 2016 में आईसीसी मेन्स क्रिकेटर ऑफ द ईयर बने। 2011-20 के दशक के सबसे बेहतरीन टेस्ट खिलाड़ियों में शामिल।
- **वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप:** पहले गेंदबाज, जिन्होंने इस चैंपियनशिप में नवंबर 2022 में 100 विकेट पूरे किए।

फेयरवेल लेजेंड... अश्विन ने ब्रिस्बेन टेस्ट ड्रॉ होने के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में किया संन्यास का ऐलान, पर्थ में मन बनाया था, रोहित ने रोके रखा

'यह मेरा आखिरी दिन...' और रिटायर हो गए अश्विन

इंटरनेशनल से रिटायर हुए, आईपीएल में खेलते रहेंगे

भास्कर न्यूज. ब्रिस्बेन | 'इंटरनेशनल स्तर पर एक भारतीय क्रिकेटर के रूप में यह मेरा आखिरी दिन होगा। क्रिकेटर के रूप में मुझमें अभी दम बाकी है, लेकिन मैं इसका इस्तेमाल क्लब क्रिकेट में करूंगा। मैंने रोहित और अन्य कई साथियों के साथ मिलकर कई यादें बनाई हैं। यह मेरा आखिरी दिन होगा।' ये कहकर भारत के दिग्गज ऑफस्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। कप्तान रोहित शर्मा ने साफ कर दिया कि टीम के सभी खिलाड़ी 26 दिसंबर से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट के लिए मेलबर्न जाएंगे, जबकि आर अश्विन गुरुवार को अपने गृहनगर चेन्नई लौटेंगे। अश्विन अब सिर्फ आईपीएल खेलेंगे जहां उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स 9.75 करोड़ रुपए में खरीदा है।

अश्विन की घोषणा भले ही चौंकाने वाला फैसला रहा लेकिन रोहित को पर्थ में पहले टेस्ट से ही पता था कि अश्विन ने टीम छोड़ने का मन बना लिया है। अश्विन को लगा था कि अगर उनकी टीम को जरूरत नहीं है तो वे अलविदा कह सकते हैं। पर्थ में सीरीज के पहले टेस्ट में अश्विन की जगह ऑफस्पिनर वाशिंगटन सुंदर खेले थे। ऐसा पहली बार हुआ जब अश्विन के रहते किसी अन्य ऑफस्पिनर को एकादश में तरजीह मिली। हालांकि, रोहित ने अश्विन से कहा कि वे एडिलेड में दूसरे टेस्ट तक तो रुक ही जाएं।

सबसे सफल 10 बॉलर्स में अकेले जिनके एक से ज्यादा शतक

- अश्विन ने इंटरनेशनल डेब्यू वनडे में जून 2010 में श्रीलंका के खिलाफ किया। हफ्ते भर बाद टी20 में जिम्बाब्वे के खिलाफ डेब्यू हुआ। टेस्ट डेब्यू नवंबर 2011 में विंडीज के खिलाफ नई दिल्ली में आया। इस फॉर्मेट से वे दिग्गजों में शुमार हुए।
- अश्विन के नाम 106 टेस्ट में 537 विकेट दर्ज हैं। यह भारत के लिए अनिल कुंबले (619 विकेट) के बाद सर्वाधिक है। ओवरऑल अश्विन 7वें सबसे सफल गेंदबाज हैं। वे टेस्ट में भारत के लिए सबसे तेज 500 विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं।
- **भरोसेमंद ऑलराउंडर :** दुनिया में सर्वाधिक टेस्ट विकेट लेने वाले शीर्ष 10 खिलाड़ियों में अश्विन इकलौते हैं, जिनके नाम एक से ज्यादा टेस्ट शतक हैं। अश्विन ने टेस्ट में 6 शतक लगाए हैं। यह एमएस धोनी, इमरान खान, वेटोरी के बराबर है।

मैजिकल नंबर्स

11 प्लेयर ऑफ द सीरीज अवार्ड्स टेस्ट में अश्विन के नाम। यह मुथैया मुरलीधरन के साथ संयुक्त सर्वाधिक।

65 टेस्ट खेले भारत ने घर पर अश्विन के टेस्ट डेब्यू के बाद। वे सभी का हिस्सा रहे। यह भारतीय रिकॉर्ड।

587 विकेट लिए अश्विन और जडेजा ने साथ खेले 58 टेस्ट में। यह फॉर्मेट इतिहास की सबसे सफल स्पिन जोड़ी।

25 बार किसी सीरीज में 25+ विकेट हासिल किए अश्विन ने। यह वर्ल्ड रिकॉर्ड।

चैम्पियंस ट्रॉफी 2013 के फाइनल का आखिरी ओवर अश्विन ने ही डाला था

अश्विन साल 2011 में भारत की वनडे वर्ल्ड कप और 2013 में चैम्पियंस ट्रॉफी जीत का हिस्सा रहे हैं। इंग्लैंड के खिलाफ 2013 चैम्पियंस ट्रॉफी फाइनल का आखिरी ओवर भारत की ओर से अश्विन ने ही फेंका था। अश्विन ने आखिरी ओवर में 14 रन बचाकर भारत को 5 रन से जीत दिलाई थी। अश्विन ने भारत के लिए 116 वनडे खेले, जिनमें उनके नाम 156 विकेट हैं। वहीं, टी20 में अश्विन ने 65 मैच में 72 विकेट लिए।

2014 में धोनी भी ऑस्ट्रेलिया में ही हुए थे रिटायर

अश्विन की तरफ से अचानक लिए गए संन्यास ने 2014 में एमएस धोनी की याद दिला दी। धोनी ने भी उस साल के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास का ऐलान कर दिया था। हालांकि, धोनी ने वनडे और टी20 खेलना जारी रखा था।

इस साल एक के बाद एक विदा हो रहे सितारे

साल 2024 में सितारे एक के बाद एक रिटायरमेंट ले रहे हैं। आईपीएल में दिनेश कार्तिक ने अलविदा कहा। वर्ल्ड टी20 में जीत के बाद रोहित, कोहली और जडेजा ने टी20 छोड़ा। उसके बाद शिखर धवन ने संन्यास का ऐलान किया और अब आर अश्विन ने।

वाशिंगटन हैं आगे के विकल्प; संन्यास के और भी ऐलान हो सकते हैं

अश्विन की जगह 25 साल के वाशिंगटन सुंदर अगले विकल्प हैं, जो 7 टेस्ट में 24 विकेट ले चुके हैं। 48+ के औसत से रन बना रहे हैं। वहीं, सूत्रों के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद और भी सीनियर खिलाड़ी रिटायर हो सकते हैं, जैसा कि 2008 में हुआ था।

आपके साथ 14 साल तक खेला है। आपने बताया कि आप रिटायर हो रहे हैं, तो मैं भावुक हो गया। साथ में खेले गए सभी सालों की यादें सामने आ गईं।- **विराट कोहली**

ओवरऑल टेस्ट करियर | 106 मैच | 537 विकेट | 24 औसत | 2.83 इकॉनोमी | पारी में 5+ विकेट 37 बार | मैच में 10+ विकेट 8 बार | 3503 रन बनाए | 25.75 बैटिंग औसत | 6/14 100/50

अश्विन क्रिकेटर बनने से पहले एक इंजीनियर रहे हैं। एक इंजीनियर वाली स्मार्टनेस उनके खेल में भी दिखलाई देती है। अश्विन के बटलर को मांकड़ करने के बाद 2019 में पंजाब ने राजस्थान को मैच हरा दिया था।

4. अनडिसप्यूटेड सीरीज विनर

अश्विन 106 टेस्ट मैचों में 10 बार प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। भारत की ओर से उनसे ज्यादा बार यह अवॉर्ड सिर्फ सचिन तेंदुलकर (14 बार) और राहुल द्रविड़ (11 बार) को ही मिल सका। जडेजा, कोहली और अनिल कुंबले उनकी बराबरी पर हैं।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिनः– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।